Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 208 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 06 फरवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

तृष्णा, वासना के द्वारा डसा हुआ जीवन भव-भव में विषाक्तमय होता है।

Life stung by desire and lust become venomous per several body-forms to come.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के घोषणा पत्र, भाजपा के 'अटल संकल्प पत्र' का कॉपी-पेस्ट : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विसं)। नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर जारी कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भाजपा के 'अटल संकल्प पत्र' का कॉपी-पेस्ट बताया है. इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर पिछले नगरीय निकाय चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि निश्चित रूप पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी. अरविंद केजरीवाल के 10 साल के छल को जनता जान चुकी है. भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है. लोगों ने मोदी जी के काम को देखा है।

भाजपा का थीम सॉन्ग जारी : संजय श्रीवास्तव

रायपुर (विसं)। भारतीय जनता पार्टी ने आज एकात्म परिसर में थीम सॉन्ग जारी किया। जिसमें पांच गीत हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश में अब नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में इस प्रदेश की जनता ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार के कारण प्रदेश की जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया।

प्रधानमंत्री ने महाकुंभ में डुबकी लगाई 'करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ'

प्रयागराज (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई।

स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई। संगम स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे।

विश्व गुरु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव आज

चंद्रगिरी तीर्थक्षेत्र डोंगरगढ़ में आयोजित समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह होंगे शामिल

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में जैन तीर्थ स्थली चंद्रगिरी पर्वत पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव मनाया जा रहा है. 6 फरवरी को इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे. अमित शाह के डोंगरगढ़ आगमन पर चंद्रगिरी ट्रस्ट समिति और प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है. 6 फरवरी गुरुवार को दोपहर 1.10 मिनट पर अमित शाह चंद्रगिरी में पहुंचेंगे.

अमित शाह का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राजनांदगांव और डोंगरगढ़ आगमन को लेकर मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी हो गया है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार दोपहर 12:55 बजे प्रज्ञागिरी हैलीपेड पहुंचेंगे. जिसके बाद दोपहर 1:10 मिनट पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे. इस कार्यक्रम को पूरा करने के अमित शाह डोंगरगढ़ से मां बम्लेश्वरी के लिए रवाना होंगे.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से राष्ट्रहित में अपेक्षा

चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। आचार्य विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि स्मृति महा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का आज चंद्र गिरी शुभ आगमन हो रहा है।

आचार्य श्री विद्यासागर गुरुकुल शिक्षा योजना लागू करें भारत सरकार

आचार्य विद्यासागर जी महाराज द्वारा आत्म कल्याण के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण एवं समाज सुधार पर विभिन्न प्रकल्पों हेतु अपना आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया है।

आचार्य श्री के आशीर्वाद से बालिकाओं की शिक्षा के लिए भारत में पांच स्थान जबलपुर, इंदौर, ललितपुर, रामटेक एवं डोंगरगढ़ में प्रतिभास्थली स्थापित है जो आप में एक भारतीय शिक्षा पद्धति के आदर्श गुरुकुल विद्यालय का रूप है।

अमित शाह जी देश के वरिष्ठ राजनेता हैं द्य इस अवसर पर राष्ट्रीय हित में अपेक्षा है कि आचार्य श्री द्वारा गुरुकुल पद्धति से स्थापित प्रतिभास्थली का वह विशेष अध्ययन कराकर इन्हें एक मॉडल स्कूल के रूप में स्वीकारते हुए पूरे देश में रचनात्मक एवं भारतीयता से परिपूर्ण शिक्षा संस्थान के रूप में स्वीकारते हुए देश की शिक्षा प्रणाली में आचार्य श्री विद्यासागर गुरुकुल शिक्षा योजना के रूप में स्वीकार करने पर विचार करने की कृपा करें।

इस योजना के अंतर्गत देश की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा पद्धति को संचालित करने से जहां देश की भाषा संस्कृति को बल मिलेगा वहीं राष्ट्र के प्रति बहुमान बढ़ाने से नई पीढ़ी गौरवांवित होगी और राष्ट्र मजबूत होगा जो कि आचार्य श्री का मुख्य एक उद्देश्य भी रहा है।

अमित शाह जी के डोंगरगढ़ आगमन पर उनसे अपेक्षा है कि इस दिशा में विशेष रुचि लेकर देश की शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल आवश्यक परिवर्तन लाने वाली इस गुरुकुल शिक्षा पद्धति को स्वीकारते हुए आचार्य विद्यासागर गुरुकुल योजना बनाकर भारत सरकार की ओर से सच्ची विनयांजलि देंगे जो कि देश को सुदृढ़, संस्कारवान रोजगार उन्मुख एवं भारतीयता से परिपूर्ण शिक्षा का आधार स्तंभ बनेगी।

लेजेन्ड 90 की आयोजक समिति ने मुख्यमंत्री साय को प्रतियोगिता के लिए किया आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। लेजेन्ड 90 किकेट लीग 6 से 18 फरवरी 2025 तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्डेडियम में आयोजित की जा रही है। लेजेन्ड 90 क्रिकेट लीग अंतरराष्ट्रीय स्तर की लीग है जिसका आयोजन पूर्व में श्रीलंका सहित अनेक देशों में हुआ है। इस वर्ष उक्त लीग के आयोजन का सम्मान भारत को प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता में अनेक राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहें है, जिनमें कीस गेल, डेविड वार्नर, हरभजन सिंह, शिखर धवन, युवराज सिंह, सुरेश रैना, मैथ्यू वेड, मोइन अली, एरोन फींच, तिसारा परेरा, रॉबीन उथ्थपा, दिनेश कार्तिक, शॉन मार्श, मार्टिन गप्टिल, केदार जाधव, बेन डंक, साकिब अल हसन, तथा डेनियल किश्यचन आदि सम्मिलित हैं।

दिल्ली में शाम 5 बजे तक 57.70 फीसदी वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए वोटिंग का टाइम खत्म हो गया है। अब जो बूथों पर लाइन में लगे हैं, उनके ही वोट डाले जा रहे हैं। शाम 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा 63.83 प्रतिशत मतदान नार्थ-ईस्ट दिल्ली में हुआ। यह भाजपा सांसद मनोज तिवारी का संसदीय क्षेत्र है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, LG वीके सक्सेना, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीएम आतिशी, अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी वोट डाल चुके हैं। इसके अलावा प्रियंका गांधी ने मां सोनिया और पति- बेटे के साथ वोट डाला।

मां कर्मा के नाम से डाक टिकट जारी लोगों में 1 लाख टिकट बांटेंगे तोखन

बिलासपुर (विसं)। केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर का आभार व्यक्त किया।

बिलासपुर। भारत सरकार ने तैलिक समाज की मांग पूरी करते हुए भक्त माता कर्मा के नाम पर डाक टिकट जारी कर दिया है। टिकट जारी होने के साथ ही वर्षों पुरानी मांग पूरी करवाने की पहल करने वाले केंद्रीय शहरी और आवासन राज्यमंत्री तोखन साहू 1 लाख डाक टिकट वितरित करेंगे जिससे लिए आर्डर दें चुके हैं। साथ ही भारत सरकार द्वारा भी 2 लाख डाक टिकट वितरण किया जायेगा।

गौरतलब हो कि केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू 22 दिसंबर को भोपाल में अखिल भारतीय तैलिक साहू संघ के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जहां देशभर के साहू समाज के पदाधिकारियों ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू से भक्त माता कर्मा के नाम पर डाक टिकट जारी करने की मांग की थी। जिस पर तुंरत एक्शन लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने 15 दिन के भीतर समाज की यह मांग पूरी करने का आश्वासन दिया था और साहू समाज की वर्षों से लंबित मांग को महज 12 दिन में पूर्ण करवा दिया। भक्त माता कर्मा करोड़ों लोगों की आराध्य देवी हैं, जिनके नाम पर डाक टिकट जारी करने के लिए साहू संघ के पदाधिकारियों, अनेक जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों ने प्रयास अथक किए।

प्रमोद कुमार साहू के लिए समर्थन मांगने मैदान में उतरे दिग्गज, मिल रहा अभूतपूर्व समर्थन

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा ने नगरी निकाय चुनाव को जीतने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, और रोजगार के मुद्दों को लेकर भाजपा ने अपना अटल विश्वास पत्र जारी कर दिया है। जिसे लेकर वार्ड क्रमांक 63 के प्रत्याशी जन-जन तक जाकर समर्थन मांग रहे है। साथ ही जनता से अनुरोध करते कहा वोट डालना हमारा मौलिक अधिकार है। हर व्यक्ति को मतदान में हिस्सा लेना चाहिए। ज्ञात हो प्रमोद कुमार साहू वरिष्ठ भाजपा नेताओ में आते है। जनता की मूलभूत सुविधाओं को शशक्त करना इनकी पहली प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने वार्ड में बज़्ज़ार निर्माण की बात कही जिसे छोटे व्यापारियों को काफी सहूलियत मिलेगी। भाजपा प्रत्याशी प्रमोद कुमार साहू की रैली के दौरान लोग जगह-जगह फुल मालाओं, तिलक वंदन कर स्वागत कर रहे है। ज्ञात हो की प्रमोद साहू का समर्थन करने भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मैदान में उतर गए है। अटल विश्व पत्र को लेकर आगे उन्होंने कहा की सारे वायदे जो किए वह पूर्ण किए जायेंगे। साथ ही आगे उन्होंने कहा महिलाओं को शशक्त और रोज़गार से जोड़ने के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने जनता से कहा की भाजपा के निशान पर बटन दबाकर एक बार मौका दें और वार्ड चौमुखी विकास करने का अवसर दें।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र

फ्री वाई-फाई-सेनेटरी नैपकीन, आवासहीनों को मकान

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। जिसका नाम जन घोषणा पत्र दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश कार्यालय सहित सभी जिलों में एक साथ घोषणा पत्र जारी किया। जिसके अनुसार, सभी निकायों में तालाबों घाटों के सौंदर्याकरण के साथ महिलाओं के लिए निकाय के तालाबों में बनाए चेंजिंग रूम बनाए जाने सहित कई वादे किए हैं। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, प्रमोद दुबे, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

जारी घोषणा पत्र के अनुसार, सभी निकायों में सुव्यवस्थित वेंडिंग जोन की स्थापना की जाएगी। पौनी पसारी में महिलाओं को प्राथमिकता के साथ शहरी व्यावसायिक क्षेत्र में प्रसाधन की व्यवस्था होगी। आटो और ई-रिक्शा के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने और तलाबों का संरक्षण व सौन्दर्याकरण की विषेश पहल का वादा किया है। साथ ही घाटो एवं तालाबों में महिलाओं के लिए चेजिंग रूम बनाये जायेंगे। शहरी व्यापारिक क्षेत्रों में महिला प्रसाधन की व्यवस्था की जाएगी।

महिला सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कंट्रोल रूम के साथ सामंजस्य कर सभी चौक-चौराहों व स्कूल-कॉलेज के समीप में सी.सी. कैमरा लगाने की व्यवस्था। सर्व सुविधायुक्त ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा के लिए पार्किंग व चार्जिंग की व्यवस्था। श्रद्धांजली राशि योजना के बीपीएल कार्डधारियों को 2000 रू. से बढ़ाकर 5000 रू. किया जाएगा। निगमों के अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। सम्पत्तिकर, समेकितकर एवं जल उपभोक्ता शुल्क का घर बैठे भुगतान की सुविधा दी जाएगी। आगामी 6 माह में जहां-जहां ऑनलाईन भवन अनुज्ञा की सुविधा नहीं है वहां सुविधा दी जायेगी। मकान आबंटन प्रक्रिया को और सरलीकृत एवं पारदर्शी करते हुए सभी आवासहीनो को पात्रतानुसार मकान दिया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मी की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जायेगी। प्रत्येक निकाय में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सर्व सुविधायुक्त नि:शुल्क लायब्रेरी खोला जाएगा।

ज्ञान के सागर आचार्य विद्यासागर का अनंत दर्शन : मुनि अक्षयसागर

(आचार्यश्री विद्यासागर जी द्वारा दीक्षित साधक)

एक वर्ष पूर्व माघ शुक्ल नवमी को जब संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने सल्लेखनापूर्वक समाधि ली, तब भारत ने अपने एक ऐसे महान संत को खोया, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के उत्थान में समर्पित कर दिया।

जीवन यात्रा और साधना

10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के चिक्कोड़ी में जन्मे श्री मल्लप्पाजी अष्टगे और श्रीमती श्रीमंतीजी के सुपुत्र विद्याधर (आचार्यश्री विद्यासागरजी महामुनिराज का पूर्व नाम) ने मात्र 22 वर्ष की आयु में 30 जून 1968 को अजमेर में मुनि दीक्षा ली और 22 नवंबर 1972 को नसीराबाद में आचार्य पद प्राप्त किया। कन्नड़ भाषी होते हुए भी उन्होंने राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदी भाषा को बढ़ावा दिया।

एक वर्ष पूर्व जब संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने समाधि ली, तब यह अनुभव नहीं हुआ था कि उनके विचारों का प्रकाश कितना प्रखर है। आज एक वर्ष बाद, उनकी अनुपस्थिति में भी, उनका दर्शन समाज को निरंतर आलोकित कर रहा है। उनका जीवन मात्र एक व्यक्ति का जीवन नहीं, बल्कि एक संपूर्ण दर्शन था, जिसमें करुणा, ज्ञान और कर्तव्य का अद्भुत संगम था।

करुणा की अविरल धारा

आचार्य श्री के जीवन में करुणा एक सहज प्रवाह थी। उनके आचरण में प्राणी मात्र के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। पिछले एक वर्ष में उनके द्वारा स्थापित अनेक सेवा संस्थान इसी करुणा को आगे बढ़ा रहे हैं। चाहे वह कैदियों का पुनर्वास हो या गरीबों की सेवा, उनकी करुणा आज भी हजारों लोगों के जीवन को प्रकाशित कर रही है।

ज्ञान का असीम सागर

वास्तव में आचार्य श्री एक ज्ञान वारिधि थे। उनके विचारों को समेटना वैसे ही है जैसे छोटी सी अंजुली में सागर को समेटने का प्रयास। फिर भी, उनके विचारों की कुछ बूंदें भी जीवन को धन्य करने के लिए पर्याप्त हैं। उनका चिंतन प्राचीन भारतीय दर्शन से प्रेरित होते हुए भी अत्यंत मौलिक था। आज के युवा उनके इसी

ज्ञान से प्रेरणा लेकर नई राहें तलाश रहे हैं।

राष्ट्र और संस्कृति के प्रति समर्पण

निस्पृह और वीतरागी होते हुए भी आचार्य श्री के विचार भारतीयता और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत थे। उनका मानना था कि आध्यात्मिक उन्नति और राष्ट्र की प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। आज जब देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है, उनके ये विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं।

शिक्षा का नया आयाम

आचार्य श्री की देशना में ज्ञान और कर्म का अनूठा समन्वय था। उन्होंने शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम बनाया।

प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण

आचार्य श्री का जीवन प्रकृति के साथ सामंजस्य का अनूठा उदाहरण था। उनकी सीख थी कि प्रकृति की रक्षा करना मानव धर्म का अभिन्न अंग है। आज जब पर्यावरण संकट विश्व के सामने एक बड़ी चुनौती है, उनके ये विचार मार्गदर्शक बन रहे हैं।

विचारों की जीवंत विरासत

एक वर्ष बीत जाने के बाद भी आचार्य विद्यासागर जी के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। उनकी देशना में छिपा जगत कल्याण का मार्ग आज भी समाज को नई दिशा दिखा रहा है। उनका जीवन सिखाता है कि कैसे व्यक्तिगत साधना को सामाजिक कल्याण से जोड़ा जा सकता है।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत

आज की युवा पीढ़ी के लिए आचार्य श्री का जीवन एक अमूल्य प्रेरणास्रोत है। वे सिखाते हैं कि कैसे आधुनिक चुनौतियों का सामना प्राचीन मूल्यों और आधुनिक दृष्टिकोण के समन्वय से किया जा सकता है। उनके विचारों में छिपा है वह मार्ग, जो व्यक्तिगत विकास और सामाजिक कल्याण को एक साथ साध सकता है।

चतुर्विध संघ का पुनरुत्थान

आचार्य श्री ने जैन धर्म की मूल परंपरा को पुनर्जीवित किया। उनके मार्गदर्शन में 190 से अधिक दिगंबर मुनियों और 350 से अधिक आर्यिका माताओं ने दीक्षा ली। इस प्रकार उन्होंने तीर्थंकर भगवंतों के समय से चले आ रहे चतुर्विध संघ को पुनर्प्रतिष्ठित किया। हजारों ब्रह्मचारी भाई और बहनें जैन धर्म के प्रचार-प्रसार में संलग्न हुए।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान

आचार्य श्री ने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ की स्थापना की। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उन्होंने पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं शोध संस्थान, जबलपुर की स्थापना में प्रेरणा दी। भाग्योदय चिकित्सालय के माध्यम से जैन समाज को चिकित्सा सेवा के लिए प्रेरित किया।

गौ सेवा और पर्यावरण संरक्षण

दयोदय महासंघ के माध्यम से आचार्य श्री ने गौशालाओं की स्थापना करने की जैन समाज को प्रेरणा दी और उसी का सुपरिणाम है कि देश के विभिन्न राज्यों में 150 से अधिक गौशालाएँ संचालित हैं जिनमें परित्यक्त, कत्लखानों से बचाए गए एक लाख से अधिक गौवंश को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और प्राणी कल्याण पर विशेष बल दिया। मांस निर्यात के विरोध में उनकी आवाज ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डाला।

धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

आचार्य श्री ने अनेक प्राचीन तीर्थक्षेत्रों का जीर्णोद्धार कराया और नए तीर्थों का सृजन किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर विशेष बल दिया। भारत के प्राचीन नाम 'भारत' के प्रयोग पर जोर देते हुए 'इंडिया' के बजाय 'भारत' शब्द के प्रयोग को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण

कन्नड़ भाषी होते हुए भी आचार्य श्री ने राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदी भाषा को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के महत्व को प्रतिपादित किया और शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग पर बल दिया।

एक वर्ष बाद - विरासत का प्रभाव

आज, उनकी समाधि के एक वर्ष बाद, उनके द्वारा प्रेरित संस्थाएं निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हैं

- शैक्षणिक संस्थानों में हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं
- आयुर्वेदिक चिकित्सालय जन सेवा में संलग्न हैं
- गौशालाएं गौवंश के संरक्षण में योगदान दे रही हैं
- धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही हैं

भविष्य की राह

आचार्य विद्यासागर जी का जीवन और उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनका दर्शन हमें सिखाता है कि कैसे आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय विकास को साधा जा सकता है। उनकी विरासत न केवल जैन समाज को, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को प्रेरित करती रहेगी।

एक अनंत यात्रा

भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनका दर्शन, उनकी करुणा आज भी समाज को प्रेरित कर रही है। उनका जीवन सिखाता है कि कैसे सरलता में गहराई, त्याग में समृद्धि, और निस्पृहता में लोक कल्याण समाहित हो सकता है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करती रहेगी।

प्रेषक - डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर

जब अंत समय आया तो, संकेत किया चलते हैं खुश रहना धर्म के प्यारो, अब हम तो सफर करते हैं : आचार्य श्री गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के चरणों में भावभीनी विनयांजलि

जीते हैं शान से व मरते हैं शान से ये वाक्य आजादी के दीवाने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कहते थे या वतन की रक्षा करने वाले सेना के नौजवान कहते हैं पर यह विरले ही जानते हैं कि धर्म के रखवाले, अहिंसा के पुजारी संत, महत, आचार्य, मुनिराज आदि जीवन के हर क्षण, हर पल इन पंक्तियों को आत्मसात करते रहते हैं। उसी कड़ी में 21 वीं सदी, जिन संत के नाम से जानी जाती है, मूकमाटी रचयिता आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने यह अदभुत कार्य कर दिखाया। 56 वर्ष तक श्रमण संस्कृति को व अपनी आत्म शक्ति को, शान के साथ उन्नति प्रदान की, साथ ही उसी दम खम से, शान से उस मृत्यु महोत्सव, सल्लेखना के क्षणों को सार्थक कर दिखाया। सन 1975 के आसपास गाँधीवादी विचारक संत आचार्य विनोबाभावे जी जब आचार्य प्रवर के दर्शनार्थ पधारे व उनके अध्यात्मिक चिंतन व संवारा, सल्लेखना के विचारों से अवगत हुए तो उन्होने कहा कि गीता से बढ़कर व जैन दर्शन के सल्लेखना आदि महावीर के सिद्धांत से बढ़कर मेरे ऊपर और कोई प्रभाव नहीं पड़ा (गुरुमुख से सुना) समण सुतं (जैन गीता) प्रस्तावना में उल्लेख भी और उसी का परिणाम रहा कि विनोबा जी ने अपने अंतिम समय में, महाराष्ट्र के अपने वर्धा आश्रम में, वह किया जो उन्होने आचार्य श्री से प्रेरणा प्राप्त की थी। पूज्य गुरुदेव ने जब तिल्दा नेवरा (दिसम्बर 2023) पंच कल्याणक के बाद, अपनी काय की स्थिति देखी, स्वयं के अन्तर्ज्ञान में वस्तु स्वरूप दिखा होगा और वापस रायपुर, राजनांदगांव होकर चन्द्रगिरि (डोंगरगढ़) की ओर आ गये। साथ में मुनिश्री चन्द्रप्रभ सागर जी व मुनिश्री निरामय सागर जी जो कि हर पल, हर क्षण हम सभी, साथ में स्थिति, परिस्थिति में नजर रखे रहते थे, वापस चन्द्रगिरि में आकर स्वाध्याय ग्रंव प्रतिक्रमण संवत्रयी पूज्य गुरुमुख से प्रारंभ किया गया। 13 जनवरी 2023 को जब पेट के दाहिने हिस्से में, लीवर के ऊपर सूजन जैसी एक गाँठ उभर आई तब पूज्य गुरुदेव ने मुझे ईशारा किया कि देखो यह क्या है ? हाथ लगाकर देखा, स्थिति को गंभीरता से लिया गया, पता चला गॉल ब्लेडर (पित्ताशय) से पित्त रिलीज नहीं हो रहा है। भूख में कमी, कमजोरी, अरुचि आदि तो लगातार दिखाई दे रही थी, यह नई समस्या सामने आ गई तब मैने गुरुदेव से कहा, ये रोग मेहमान की तरह है। आये है व चले जायेगे। तब आचार्य श्री ने आध्यात्मिक चिंतन देते हुए कहा कि ये बताओ प्रसाद इन मेहमानों को बुलाने वाला कौन है? हमने, स्वयं ने इन्हें बुलाया है। अपने कर्मों का ही परिणाम है। ऐसे गहन चिंतक के चरणों में हम नतमस्तक हो गये। स्वयं गुरुदेव तभी से और अधिक सतर्क अपने व्रतो के प्रति, हो गये। निरीह वृति व अप्रमत्त दशा को लेकर, हर पल सजग रहे। इतनी वृद्ध अवस्था, रोग की अवस्था, अत्यंत कमजोरी की अवस्था में भी करवट बदलते समय पिच्छी से परिमार्जन का ध्यान रखना, ऐसा इशारा करना। ऐसी चर्या केवल आत्मनिष्ठ, शुद्धोपयोगी महान साधक के द्वारा ही हो सकती है, जो कि उनके उत्कृष्ट तप साधना का परिचायक है। 18 फरवरी को उस महान आत्मा का संदेश तो मैंने यही समझा कि जब अंत समय आया तो, संकेत किया चलते हैं खुश रहना धर्म के प्यारो, अब हम तो सफर करते हैं।

उस महान साधक का सफर, शीघ्र सिद्ध अवस्था पर पूर्ण होगा, प्राप्त होगा ऐसे श्री चरणों में भावभीनी विनयांजलि।

श्रद्धावनत- निर्यापक मुनि प्रसाद सागर जी महाराज

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी को प्रधानमंत्री की श्रद्धांजलि

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था।

आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है :- नरेंद्र मोदी

आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है। आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है।

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है।

उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया। शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे।

संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।

मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।', इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामयी और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।

ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्त्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वो नमो ड्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी, देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

नवा रायपुर में दिखेगी ब्रिटिश कालीन जनजाति विद्रोह की झांकी

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने किया निरीक्षण, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण की स्मृति में नवा रायपुर में पुरखौती मुक्तांगन के समीप निर्माणाधीन जनजातीय संग्रहालय का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस संग्रहालय में अंग्रेजी हुकुमत के दौरान हुए जनजातीय विद्रोहों की झांकी का निर्माण किया जा रहा है।

आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने निर्माणाधीन संग्रहालय का आज निरीक्षण किया और संग्रहालय निर्माण की धीमी गति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने संग्रहालय के शेष कार्य गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों, ठेकेदारों और क्यूरेटर का एक दल बनाकर एक-एक गैलेरी का कार्य उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

पीएससी प्रारंभिक परीक्षा 9 फरवरी को, जिले के 12 परीक्षा केंद्रों में तीन हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

कलेक्टर ने ऑब्जर्वर और केंद्राध्यक्ष की बैठक लेकर दिये जरुरी निर्देश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 9 फ़रवरी 2025 को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 का आयोजन किया जा रहा हैं। परीक्षा आयोजन हेतु जिले में 12 केंद्र बनाए गये हैं जिसमें 3595 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर दीपक सोनी ने बुधवार को परीक्षा केन्द्राध्यक्ष एवं ऑब्जर्वरों की बैठक लेकर परीक्षा को संवेदनशील बताते हुए विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित करें कोई लापरवही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि आयोग के द्वारा परीक्षा ड्यूटी के लिए सम्बंधित अधिकरियो के लिए कार्य व जिम्मेदारी तय की गई है, उसका सभी पालन करें। किसी प्रकार की समस्या आने पर परीक्षा के नोडल अधिकारी या समन्वयक को सूचित करें। परीक्षा निर्देशिका का विस्तृत अध्ययन कर परीक्षा कार्यक्रम को समझ लें और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी बताएं। किसी परीक्षा केंद्र को परीक्षा से सम्बंधित किसी प्रकार की सहयोग की आवश्यकता होगी तो जिला प्रशासन सहयोग करेगा।

ये होंगे परीक्षा केंद्र- पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा 2024 के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिले में 12 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इनमे दाऊ कल्याणसिंह शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार, शासकीय मिनीमाता कन्या कॉलेज बलौदाबाजार, पण्डित चक्रपाणि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल एमडीव्ही बलौदाबाजार, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल अर्जुनी, अम्बुजा विद्यापीठ रवान, गुरुकुल इंग्लिश मीडिम हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, आर के जी हायर सेकेण्डरी स्कूल कोकड़ी, सरस्वती शिशु मंदिर बलौदाबाजार, अहिल्या इंटरनेशनल स्कूल लाहोद, सेकरेड हार्ट हाई स्कूल बलौदाबाजार एवं शाश्वत हायर सेकेण्डरी स्कूल भाटागांव शामिल है।12 केन्द्रों में कुल 3595 परीक्षार्थी शामिल होगे। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। बैठक में परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर अरुण कुमार सोनकर सहायक नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय सहित केंद्राध्यक्ष एवं ऑब्जर्वर उपस्थित थे।

तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों के आरक्षण के लिए बर्थ/सीट उपलब्ध

यात्रियों से अनुरोध है कि इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी सुविधाजनक कुंभ यात्रा सम्पन्न करें

रायपुर (विश्व परिवार)। कुंभ मेला 2025 में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। वर्तमान में इन विशेष ट्रेनों में पर्याप्त संख्या में बर्थ उपलब्ध हैं। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि यात्रा की योजना बनाते समय इन ट्रेनों में शीघ्र बुकिंग कराएं ताकि वे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

उपलब्ध ट्रेनों एवं बर्थ/सीटों का विवरण- 08863 (नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी- तुंदला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन)। यात्रा तिथि: 07 फरवरी 2025। उपलब्ध सीटें- 561 (सेकंड एसी, थर्ड एसी एवं शयनयान)। 08753 (रायपुर- तुंदला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन)। यात्रा तिथि- 09 फरवरी 2025। उपलब्ध सीटें- 772 (सेकंड एसी, थर्ड एसी एवं शयनयान)। 08767 (दुर्ग- तुंदला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन)। यात्रा तिथि- 16 फरवरी 2025। उपलब्ध सीटें- 810 (सेकंड एसी, थर्ड एसी एवं शयनयान)।

इन ट्रेनों में यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द अपनी सीटों की बुकिंग करें। टिकटों की बुकिंग प्रक्रिया चालू है। अधिक जानकारी एवं टिकट बुकिंग के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या नजदीकी आरक्षण केंद्र पर संपर्क करें।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में 'दैनंदिन जीवन में देशभक्ति' विषय पर व्याख्यान आयोजित

भारत के गौरव और गरिमा की समझ ही सच्ची देश भक्ति : भाग्यश्री साठेय

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में दैनंदिन जीवन में देशभक्ति विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सह संयोजिका महिला समन्वय एवं केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य राष्ट्र सेविका समिति सुश्री भाग्यश्री साठये ने कहा कि भारत ज्ञान का प्रतीक है। भारत की ज्ञान परम्परा अत्यंत वैभवशाली है। आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। युवा भारत की इस ज्ञान परम्परा को समझें। भारत के गौरव को जानना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे सोशल मीडिया पर भारतीय ज्ञान परम्परा ओर गौरव के विषयों पर जानकारियों को साझा करें। भारत में चरित्र निर्माण ही व्यक्ति को जेंटलमैन बनाता है। उन्होंने भारत शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि भा तेजस्विता का प्रतीक है और रत लीनता का। उन्होंने दैनिक जीवन में सकारात्मक लोक कल्याण एवं जन जागरूकता के कार्यों को करने की बात कही।

बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम सेमेस्टर की छात्रा लीशा ताम्रकार के प्रश्न पाश्चात्य संस्कृति के भारतीय संस्कृति पर प्रभाव के उत्तर में उन्होंने कहा कि आधुनिकता आवश्यक है, लेकिन हमें अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बचना चाहिए। बीएजेएमसी के छात्र देवांश तिवारी के सवाल युवा पीढ़ी को देश के प्रति जागरूक कैसे किया जा सकता है? के उत्तर में भाग्यश्री साठये ने सुझाव दिया कि युवा देशभक्ति पर आधारित फिल्में, वेब सीरीज़ और डॉक्यूमेंट्री देख सकते हैं। साथ ही महापुरुषों को पढ़ें। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के ज्ञान का विस्तार करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देशप्रेम केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

लगभग 50 चाकूबाजों को क्राईम ब्रांच हाजिर कर दी गई कड़ी समझाईश

चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों की लगातार परेड लेकर दी जा रहीं है कड़ाई से समझाईश

रायपुर (विश्व परिवार)। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने, सुरक्षा व शांति व्यवस्था सहित आगामी चुनाव के मद्देनजर पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह एवं प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट निरीक्षक परेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा आज दिनांक 05.02.25 को अलग- अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत लगभग 50 चाकूबाजों एवं अपराधिक तत्वों को क्राईम ब्रांच में हाजिर किया गया।

चाकूबाजों एवं अपराधिक तत्वों की परेड़ ली जाकर उन्हें कड़ाई से समझाईश दी गई, कि वे किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त ना रहें तथा उनके साथी जो अपराधों में संलिप्त रहते है, उनके संबंध में भी पुलिस को जानकारी देने कहा गया। प्रत्येक सप्ताह अपने संबंधित थानों में जाकर हाजिरी देने व अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करते हुये, पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है तो तत्काल उपस्थित होने कहा गया। उनके निवास क्षेत्रों के आसपास किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी घटना होने पर सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा आगामी चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करने कहा गया।

इसके साथ ही सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो में गुण्डा, डॉन, माफिया, गैंगस्टर सहित अन्य कई विभिन्न नामों से अपना आई.डी. बनाकर हाथ में चाकू, तलवार, एयर गन, पिस्टलनुमा लाईटर गन सहित अन्य हथियारों के साथ फोटो, विडियो व रील्स बनाकर अपने इंस्टाग्राम आई.डी. में अपलोड कर पोस्ट करने वालों को भी कड़ाई से समझाईश दिया गया, कि वे इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना करें तथा किसी भी प्रकार के अपराधों में लिप्त ना रहें।

पिछले एक्सपो की तुलना में 155 फीसदी ज्यादा वाहनों की अब तक बिक्री

टोटल मोटर व्हीकल्स टैक्स कलेक्शन में भी 230.44 फीसदी ग्रोथ ● होंडा एक्टिवा 110 के नए अवतार की हुई शानदार लांचिंग

रायपुर (विश्व परिवार)। बस दस दिन और रह गए हैं ऑटो एक्सपो में महाबचत का लाभ पाने के, 15 फरवरी आखिरी तारीख हैं। इसलिए एक्सपो में पहुंचने वाले व्हीकल कस्टमर की संख्या में इजाफा हो रहा है वहीं डीलर्स भी और ज्यादा मुस्तैद हो गए हैं। बुधवार को काफी अच्छी संख्या में ऑटो एक्सपो में पहुंचे लोगों ने अपनी वाहनों की बुकिंग करायी। 15 जनवरी से चार फरवरी तक की स्थिति में 16962 से ज्यादा वाहन बिक चुके हैं। जो कि पिछले एक्सपो की इस अवधि की तुलना में 155.07 फीसदी अधिक हैं इसलिए कि पिछली बार केवल 6650 वाहन बिके थे। वहीं टोटल मोटर व्हीकल्स टैक्स कलेक्शन भी 230.44 फीसदी ग्रोथ के साथ 658584819 रुपए मिले हैं जबकि पिछली बार इसी अवधि में 199305932 रुपए मिले थे। इस लिहाज से देखें तो इस एक्सपो में शानदार रिकार्ड बने हैं। यहां मौजूद हर कंपनी के हर ब्रांड की अपनी खूबियां हैं चाहे वह कार हो या बाइक या अन्य सेग्मेंट के व्हीकल्स। सभी की अच्छी खरीदी हो रही है। एक बड़े वर्ग की यह भी प्लानिंग रहती है कि हर फाइनेंशियल ईयर भी कुछ नया लेने की ऐसे लोग भी इस महाबचत का लाभ लेने के ध्येय से भी कार व बाइक की खरीदी कर रहे हैं। आज होंडा एक्टिवा 110 की लांचिंग हुई। एक्सपो में गेस्ट के रूप में आशीष चौधरी, आपरेटिंग ऑफिसर सेल्स व शशांक राजदान, रीजनल मैनेजर (सेंट्रल) सेल्स के साथ वंदना जादोन, सर्किल हेड एसएसएल, एसबीआई मौजूद रहे।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया ने बताया कि ऑटो एक्सपो के बीस दिन कैसे बीत गए पता ही नहीं चला। सभी डीलर्स एक परिवार की तरह एक्सपो में अपनी भागीदारी निभाते हुए कस्टमर की डिमांड व्हीकल्स खरीदी में पूरी कर रहे हैं। बचे दिनों में भी वे अपनी शानदार सेवाएं देने तैयार हैं। न्यू लॉंचिंग की कड़ी में बुधवार को ऑटो एक्सपो में होंडा एक्टिवा 110 के नए वेरिएंट की लॉंचिंग हुई। कंपनी के मुताबिक बेस्ट सेलिंग स्कूटर होंडा एक्टिवा 110 को बिल्कुल नए अवतार में लांच किया है। कंपनी ने कुछ नए फीचर्स इसमें शामिल किए हैं जिसका लंबे समय से कस्टमर को इंतजार था। यह बदलाव पिछले माडलों से अलग दिखाते हैं। कंपनी का ये भी दावा है कि नए वेरिएंट में इनोवेशन, फीचर व विश्वसनीयता का आदर्श समिश्रण है जो ऑटोमोबाइल बाजार में होंडा एक्टिवा की साख को और बढ़ायेगा, मजबूत करेगा। इस ऑटो एक्सपो की खास बात ये भी है कि हर कंपनी के हर माडल की अपनी खूबियां हैं और लोग परख भी रहे हैं जो यहां मौजूद हैं। ऐसे ही कुछ स्टालों पर ग्राहकों को जानकारी जो डीलर्स दे रहे थे।

एमजी मोटर्स की ग्लस्टर : दिग्गज कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर्स की ग्लस्टर भारतीय बाजार में बिकने वाली प्रमुख कारों में से एक है। आटो एक्सपो में इसके माडल के समक्ष रखे बड़े-बड़े पत्थर को देखकर लोग चौंक जा रहे हैं कि यह क्यों? इन्हे बताया जा रहा है कि यह गाड़ी किसी भी प्रकार की उबड़ खाबड़ सड़कों पर भी शानदार ढंग से चलती है। 8 स्पीड आटोमेटिक गियर बाक्स ट्रांसमिशन का विकल्प है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 770 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम - शहीद भगत सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 24 मांग **पंजी क्र. 302 युआईडी 24402** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **छन्नुलाल साहू / खोरबाहरा साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राजेश साहू / खोरबाहरा साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 771 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम - शहीद भगत सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 24 मांग **पंजी क्र. 302 युआईडी 24402** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **छन्नुलाल साहू / खोरबाहरा साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **योगश साहू / खोरबाहरा साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 772 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम - सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 56 युआईडी 21945** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मनीष गिरी / लोकेन्द्र गिरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. ना. बा. प्रणय गिरी गोस्वामी 2. गीतांजली गोस्वामी 3. यज्ञ गिरी गोस्वामी 4. सरस्वती गोस्वामी / मनीष गिरी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 773 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम - सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 57 युआईडी 21946** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **चित्रलेखा गिरी / लोकेन्द्र गिरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सरस्वती गोस्वामी / मनीष गिरी गोस्वामी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./18044/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 03-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18044
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446D00648** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAVI KUMAR JADWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. RAMESH KUMAR JADWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. MANJULA KUMARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI KUMAR NARENDRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./17401/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 04-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 17401
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D00151** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHU BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NANDLAL MAKHIJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. KANCHAN PANJABI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI SATYAWAN PANJABI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./17142/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 04-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 17142
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D0143A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARJEET KAUR ANAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. J.S. ANAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SIMRAN MOTWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI MAHESH KUMAR MOTWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **अटल आवास योजनांतर्गत मुनगी फेस-02, रायपुर,** में स्थित **भवन क्रमांक** 167, **श्री रवि असनानी पिता स्व.श्री दिलीप असनानी,** के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 23.07.2021** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। उक्त आबंटी द्वारा **दिनांक** 02.08.2022 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता **श्री गोबिंद पंडित पिता श्री सोना पंडित, निवासी- ई.डब्ल्यु.एस.-04 हाउसिंग बोर्ड कालोनी परसुलीडीह, तह. व जिला-रायपुर (छ.ग)** के पक्ष में **दिनांक** 03.11.2023 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन **क्रेता श्री गोबिंद पंडित पिता श्री सोना पंडित,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त भवन का फ्री होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com
पत्र क्र./16894/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 05-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 16894
वार्ड का नाम-46-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR741B00303** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHENDR KOCHAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOTI LAL KOCHAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AANCHAL PRITAM JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRITAM RAJENDRA JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण कुमार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./17982/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 05-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 17982
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225E00022** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIMLA DEVI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O AASH KARAN DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती सुमनलता देवांगन पिता - स्व. श्री आसकरण देवांगन** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - श्री ताराचंद देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 768 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम- मॉ परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 25 मांग **पंजी क्र. 248 युआईडी 24784** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **छबि लाल सेन / नाथूराम सेन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **गायत्री सेन / डोमन लाल सेन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 769 दिनांक 05.02.2025
वार्ड का नाम - शहीद भगत सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 24 मांग **पंजी क्र. 49 युआईडी 24149** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **छबिलाल सेन / नाथूराम सेन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **गायत्री सेन / डोमन लाल सेन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 06 फरवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अरबपतियों की संख्या में इजाफा

दुनिया भर में अरबपतियों की संपत्ति 2024 में दो हजार अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ कर पंद्रह अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। 2023 की तुलना में यह तीन गुना है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से पहले ऑक्सफेम इंटरनैशनल ने %टेकर्स, नॉट-मेकर्स' शीर्षक से रिपोर्ट पेश की जिसके अनुसार 2024 में एशिया में अरबपतियों की संपत्ति में 299 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार अरबपतियों की अत्यधिक संपत्ति काफी हद तक अनुपयुक्त है क्योंकि इसका 60त्न अब विरासत, एकाधिकार शक्ति या सांठ-गांठ वाले संबंधों से प्राप्त होती है। ऑक्सफेम ने कहा कि दुनिया के सबसे समृद्ध लोगों की संपत्ति औसतन प्रति दिन लगभग दस करोड़ अमेरिकी डॉलर के हिसाब से बढ़ी। भारत में भी अरबपतियों की संख्या में इजाफा होते हुए उनकी कुल संख्या 185 हो चुकी है जिससे इस क्षेत्र में भारत तीसरे स्थान पर आ चुका है। अमेरिकी अरबपतियों की संख्या दिसम्बर में 835 थी जबकि चीन में 423 थी। हालांकि भारत में 185 में से 108 पब्लिकली लिस्टेड पारिवारिक बिजनेस हैं। सरकारी आंकड़ों में गरीबी भले ही कम हो रही हो मगर विरोधाभास यही है कि गरीबी, बेरोजगारी और भरपेट खाने के अभाव में जीने वाले भी कम नहीं हैं। संयुक्त राट्र की रपट के अनुसार दुनिया में एक अरब से ज्यादा लोग घोर गरीबी में जीने को मजबूर हैं। मुनाफाखोरी के चलते बड़ा वर्ग संपत्ति बटोरने में इस कदर जुटा है कि उन्हें घोर गरीबी और भुखमरी में जीने वालों के प्रति तनिक रुचि नहीं रही। हालांकि अरबपतियों में ऐसा वर्ग भी है जो अपनी संपत्ति का निश्चित हिस्सा दान करने का काम करता रहा है। फिर भी धन विभाजन के इस प्रचलित रवैये से समाज में पैदा हुए गहरे असंतुलन को संभालना नामुमकिन होता जा रहा है। दुनिया में 58 करोड़ नाबालिग घोर गरीबी में बताए जाते हैं जिनके प्रति इन अरबपतियों को संवेदनशील रुख अपनाना चाहिए न कि धन एकत्र कर अति समृद्धों की सूची का विस्तार कर पूंजी के गुणगान में जुट जाएं। हकीकत से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि अरबपति उचित समय पर सटीक निर्णयों द्वारा धन बढ़ाने के प्रयास करते रहते हैं। विरासतन मिलने वाला धन कई गुणा होकर स्वत- ही वृद्धि करता रहता है। यह दौर यूं भी पैसों की चकाचौंध और धन के गुणगान का बन चुका है। ऐसे में अरबपतियों को समानता या धन विभाजन का पाठ पढ़ाया जाना मुमकिन नहीं लगता।

बेसहारा पशुओं की समस्या और उसका समाधान

कुलभूषण उपमन्यु

बेसहारा पशुओं के लिए गोसदन तो काफी बन चुके हैं, अब उनको कार्यक्षम बनाने की जरूरत है। गो अभयारण्य पर ज्यादा जोर देना होगा, जहां पशु स्वयं ही चुग कर अपना गुजारा ज्यादातर समय कर सकेंगे। कमी के कुछ समय चारे की व्यवस्था की जा सकती है। अभयारण्य में कुछ शैड बना दिए जाएं और स्थान-स्थान पर पीने के पानी के तालाब बनाए जाएं। देखभाल आसान हो जाएगी और कम खर्च भी। हां, एक बार अभयारण्य को बेहतर चरागाह के रूप में विकसित करना होगा। गोबर गैस प्लांट पशुओं से आय सृजन का नया व्यवसाय हो सकता है हिमाचल प्रदेश में बेसहारा पशुओं की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। वर्तमान में बेसहारा पशुओं की संख्या 36311 बताई जा रही है जिनमें से 20202 गोसदनों में भर्ती हैं। ये विभागीय आंकड़े हैं, हालांकि असल में यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि आए दिन नए-नए पशु गांवों में बेसहारा घूमते हुए मिल जाते हैं। किसानों को फसल बचाने के लिए रातें खेतों में काटनी पड़ रही हैं। कईयों ने अपने-अपने खेतों में बांस का बाड़ लगाने की कोशिश भी की है, किन्तु कोई लाभ नहीं हो रहा है। पशुओं और बंदरों के संयुक्त हमलों से बहुत से खेत वीरान हो चुके हैं। लोगों ने बीजना ही बंद कर दिए हैं। समस्या आजीविका पर सीधे आघात की है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। सरकार अपनी तरफ से प्रयास भी कर रही है, किन्तु समस्या काबू नहीं आ रही है तो जाहिर है कि व्यवस्था पर समाधान के प्रयास छोटे पड़ रहे हैं। प्रदेश में कुल गोवंश की संख्या 18 लाख 28 हजार है। 2003 में यह संख्या 22 लाख के लगभग थी। यानी पशुपालन के प्रति रुझान कम हो रहा है। हालांकि दूध का उत्पादन तो बढ़ा ही है। 2013 में जो उत्पादन 11.39 लाख टन था, वह बढ़ कर 2024 में 16.17 लाख टन हो चुका है। प्रदेश में दूध की मांग 20 लाख टन के आसपास है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 650 ग्राम है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से पर्याप्त है, किन्तु 2 करोड़ के लगभग पर्यटकों का दबाव भी है, इसलिए उत्पादन से निश्चय ही मांग पूरी नहीं हो रही है। गांव-गांव में आपको अमूल, वेरका आदि के दूध और दूध उत्पाद बिकते दिख जाएंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 4 लाख टन का टोटा हर साल पड़ रहा है। वास्तव में यह कमी और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कितना ही नकली दूध उत्पाद भी हर साल पकड़ा जाता है। इसका निष्कर्ष यह निकलता है कि दूध की खपत की कोई समस्या नहीं है, और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित करने की पर्याप्त गुंजाइश है। फिर भी पशु सडक़ पर क्यों हैं, इस बात की खोज होनी चाहिए। इस तरह समस्या के दो रूप सामने आ रहे हैं। एक तो जो पशु सडक़ पर हैं, उनको आसरा कैसे दिया जाए और दूसरा, कि नए पशु बेसहारा न छोड़े जाएं। जो बेसहारा घूम रहे हैं, उनके लिए गोसदन बना कर व्यवस्था की जा रही है किन्तु वह पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। कई गोसदन खाली पड़े हैं और कई, अभाव की स्थितियों के साथ जूझ रहे हैं। गो सदनों को जो राशि प्रति पशु दी जा रही है, वह पर्याप्त नहीं है। एक-तीन साल से बड़े पशु को दिन में कम से कम 5 किलो सूखा घास और 20 किलो के आसपास हरा चारा मिलना चाहिए। महीने में कम से कम डेढ़ क्विंटल तूड़ी ही चाहिए जिसकी कीमत 1500 के लगभग होगी। लेकिन मिलते तो केवल 700 रुपए हैं। अब इसके अलावा हरे चारे और कार्यकर्ता का खर्चा अलग से है। इसके चलते कोई भी इस काम में हाथ डालने से डरता है। समाज से भी छोटी मोटी मदद ही मिलती है जिससे कमी पूरी नहीं हो सकती। अत: गोसदनों पर खर्च की व्यवस्था को सुधारा जाना चाहिए। 2022 तक मंदिरों से प्राप्त दान और दारू की बोतल पर लगाए गए कर से लगभग 25 करोड़ रुपए सरकार के पास आए, उसका पूरा निवेश इस कार्य पर होना चाहिए, फिर भी कमी रहे, तो अलग से सोचा जा सकता है। पहाड़ी इलाकों में ट्रैक्टर नहीं चलने के कारण लोग बैल तो पाल ही लिया करते थे। सरकार ने पॉवर टिलर को अनुदान देकर प्रचारित किया और बैलों को पालने की संभावना ही खत्म कर दी। यदि इसके बजाय बैल पालने वालों को सबसिडी दी जाती तो बेसहारा पशु संख्या में 40 फीसदी कमी आ सकती थी। वर्तमान में पशुपालन को इतना लाभदायक बनाने की जरूरत है कि लोग अच्छी आमदनी के लिए इसको अपना लें। गांव में भी अब घर-घर पशु पालन की व्यवस्था चरमरा गई है, क्योंकि युवक नौकरी की तलाश में घरों से दूर जाने को मजबूर हैं और एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है। इसलिए छोटी-छोटी डेयरियों को प्रोत्साहित करने की विशेष योजना बननी चाहिए। सस्ता चारा पशुपालन को लाभदायक बनाने की मूलभूत जरूरत है। इसलिए चरागाह विकास को मिशन बना कर काम करने की जरूरत है। मध्यवर्ती और निचले क्षेत्रों में अधिकांश चरागाहें खरपतवारों की भेंट चढ़ चुकी हैं। उन्हें पुनर्जीवित करने की जरूरत है। बंदर और सूअर द्वारा फसलों पर आक्रमण के चलते जो खेत खाली पड़ गए हैं, उनके लिए भी रा उगाने की विशेष योजना चलाने की जरूरत है, ताकि बाहरी राज्यों से महंगा चारा आयात करने की मजबूरी से मुक्ति मिल सके। इससे पशुओं को बेसहारा छोडऩे की मात्रा में जरूर कमी आएगी। हिमाचल प्रदेश में बेसहारा पशुओं की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। वर्तमान में बेसहारा पशुओं की संख्या 36311 बताई जा रही है जिनमें से 20202 गोसदनों में भर्ती हैं। ये विभागीय आंकड़े हैं, हालांकि असल में यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि आए दिन नए-नए पशु गांवों में बेसहारा घूमते हुए मिल जाते हैं। किसानों को फसल बचाने के लिए रातें खेतों में काटनी पड़ रही हैं। कईयों ने अपने-अपने खेतों में बांस का बाड़ लगाने की कोशिश भी की है, किन्तु कोई लाभ नहीं हो रहा है। पशुओं और बंदरों के संयुक्त हमलों से बहुत से खेत वीरान हो चुके हैं। लोगों ने बीजना ही बंद कर दिए हैं। समस्या आजीविका पर सीधे आघात की है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। सरकार अपनी तरफसे प्रयास भी कर रही है, किन्तु समस्या काबू नहीं आ रही है तो जाहिर है कि व्यवस्था पर समाधान के प्रयास छोटे पड़ रहे हैं। प्रदेश में कुल गोवंश की संख्या 18 लाख 28 हजार है। 2003 में यह संख्या 22 लाख के लगभग थी। यानी पशुपालन के प्रति रुझान कम हो रहा है। हालांकि दूध का उत्पादन तो बढ़ा ही है। 2013 में जो उत्पादन 11.39 लाख टन था, वह बढ़ कर 2024 में 16.17 लाख टन हो चुका है। प्रदेश में दूध की मांग 20 लाख टन के आसपास है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 650 ग्राम है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से पर्याप्त है, किन्तु 2 करोड़ के लगभग पर्यटकों का दबाव भी है, इसलिए उत्पादन से निश्चय ही मांग पूरी नहीं हो रही है। गांव-गांव में आपको अमूल, वेरका आदि के दूध और दूध उत्पाद बिकते दिख जाएंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 4 लाख टन का टोटा हर साल पड़ रहा है। वास्तव में यह कमी और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कितना ही नकली दूध उत्पाद भी हर साल पकड़ा जाता है। इसका निष्कर्ष यह निकलता है कि दूध की खपत की कोई समस्या नहीं है, और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित करने की पर्याप्त गुंजाइश है। फिर भी पशु सडक़ पर क्यों हैं, इस बात की खोज होनी चाहिए। इस तरह समस्या के दो रूप सामने आ रहे हैं। एक तो जो पशु सडक़ पर हैं, उनको आसरा कैसे दिया जाए और दूसरा, कि नए पशु बेसहारा न छोड़े जाएं। जो बेसहारा घूम रहे हैं, उनके लिए गोसदन बना कर व्यवस्था की जा रही है किन्तु वह पर्याप्त साबित नहीं हो रही है।बेसहारा पशुओं के लिए गोसदन तो काफी बन चुके हैं, अब उनको कार्यक्षम बनाने की जरूरत है। गो अभयारण्य पर ज्यादा जोर देना होगा, जहां पशु स्वयं ही चुग कर अपना गुजारा ज्यादातर समय कर सकेंगे। कमी के कुछ समय चारे की व्यवस्था की जा सकती है। अभयारण्य में कुछ शैड बना दिए जाएं और स्थान-स्थान पर पीने के पानी के तालाब बनाए जाएं। देखभाल आसान हो जाएगी और कम खर्च भी। हां, एक बार अभयारण्य को बेहतर चरागाह के रूप में विकसित करना होगा। गोबर गैस प्लांट पशुओं से आय सृजन का एक नया व्यवसाय हो सकता है। गांव में चार-पांच घन मीटर के प्लांट लगा कर उद्यमी, गैस से कमाई कर सकते हैं।

आलेख

सभी वर्गों की बेहतरी बजट

सतीश सिंह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी वर्गों की बेहतरी के लिए बजट में प्रावधान किया है। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार स्टैंर्डड डिडक्शन के साथ नई टैक्स रिजीम चुनने पर सालाना 12.75 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा, लेकिन अन्य जरिये से आय अर्जित करने पर टैक्स में छूट की सीमा केवल 12 लाख रुपये रहेगी। बुजुर्ग नागरिकों के लिए टीडीएस की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया है। किराया आमदनी पर टीडीएस की छूट 6 लाख रुपये कर दी गई है। मोबाइल फोन और ई-कार सस्ती होगी। ईवीऔर मोबाइल की लीथियम आयन बैटरी सस्ती होगी। एलईडी-एलसीडी टीवी सस्ती होगी। कस्टम ड्यूटी को घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दी गई है। एक लाख अधूरे घरों के निर्माण को पूरा किया जाएगा और 2025 में 40 हजार नये घरों को पात्र लाभार्थियों को आवंटित किया जाएगा। हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन कार्यक्रम की अवधि को बढ़ाकर 2028 किया जाएगा। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिला उद्यमियों के लिए विशेष ऋण योजनाओं को शुरू किया जायेगा। पहली बार उद्यमी बनने वाली पात्र महिलाओं को दो करोड़ रुपये का मियादी ऋण दिया जाएगा, ताकि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके। आमजन की भलाई के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को पूरी तरह से कर मुक्त किया गया है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए देश में 200 डे-केयर कैसर सेंटर बनाए जाएंगे साथ ही साथ मेडिकल उपकरण और कैंसर की दवाओं की कीमत को कम किया जाएगा। किसानों के आर्थिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया है। देश में पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू की जाएगी, जिससे 100 जिलों को लाभ होगा। डेयरी और मछली पालन के लिए 5 लाख रुपये तक का ऋण दिया गया है, जिससे मछुआरा समुदाय एवं अन्य कारोबारियों को लाभ होगा। कपास के ज्यादा से ज्यादा उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए 5 साल की कार्ययोजना बनाई जाएगी। असम के नामरूप में नया यूरिया प्लांट लगाया जाएगा, जिससे वहां के युवाओं और किसानों को लाभ होगा। स्टार्टअप के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का फंड बनाया जाएगा, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों में इजाफा होगा। आने वाले साल ंिआर्टफशियल इंटेलीजेंस के होंगे। इसलिए, 500 करोड़ रुपये से 3 ंिआर्टफशियल इंटेलीजेंस एक्सीलेंस सेंटर बनाए जाएंगे। स्वास्थ क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए मेडिकल की शिक्षा में अगले 5 सालों में 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएगी। साथ ही, देश के 23 आईआईटी में 6500 सीटें बढ़ाई जाएगी। मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड को बढ़ावा दिया जाएगा। स्किल बढ़ाने के लिए 5 राष्ट्रीय स्तर के सेंटर बनाए जाएंगे। सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी दी जाएगी। एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी की सीमा को 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया जाएगा। देश को खिलौना उत्पादन का ग्लोबल हब बनाने की राष्ट्रीय योजना बनाई जाएगी। नई लेदर योजना शुरू की जाएगी, जिससे 22 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये की लिमिट वाले कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। इस क्रम में पहले वर्ष में 10 लाख कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। शहरी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए %पीएम स्वनिधि' योजना के तहत ऋण की सीमा को बढ़ाकर 30 हजार रुपये किया जाएगा।

आरएसएस नेताओं का विचित्र व्यवहार

शंकर शरण

जब हिन्दुओं पर सीधी चोट पड़ती है, तो संघ परिवार के नेता चुप रहते हैं। बयान तक नहीं देते। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा है कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है। चाहे बंगलादेश के हिन्दुओं का दमन या मंदिरों का विध्वंस हो, अथवा भारत में भी बंगाल, जम्मू, आदि अनेक क्षेत्रों में उत्पीडऩ या भेद-भाव हो। पूछने पर बेधड़क कहते हैं- %हम ने हिन्दुओं का ठेका नहीं लिया है।' किन्तु जब हिन्दू स्वत- अपने मुद्दे उठाते हैं जो धर्म-संस्कृति पर अतिक्रमण से जुड़े हों, शान्तिपूर्वक माँग भी करते हैं ङ्क तब संघ-परिवार के नेता उन के मालिक बन कर फटकारते हैं! बल्कि जो खुद किया हो, वही दूसरे हिन्दुओं के करने पर नाराज होते हैं। जैसे, हाल में संघ नेता ने कहा कि हिन्दू मंदिरों को तोड़ कर बनाई गई मस्जिदों के मामले उठाकर कुछ लोग नेता बनना चाहते हैं! उन्हें यह स्वीकार्य नहीं है। इस की इजाजत कैसे दी जा सकती है? यह संघ नेताओं का विचित्र व्यवहार है। जहाँ उन से बोलने और कुछ करने की अपेक्षा की जाती है ङ्क वहाँ वे चुप रहते हैं। और जहाँ उन का कोई काम नहीं, वहाँ बढ़-चढ़कर स्वयंभू कोतवाल बनने लगते हैं! आम संघ स्वयंसेवक भी इस दोहरेपन पर अनजान लगते हैं। संघ नीतियों के अनुरूप ही किसी नेता के वक्तव्य पर कुछ स्वयंसेवक नाराज होते हैं! यह मानसिक दुर्दशा का संकेत है। आखिर, जगजाहिर रूप में तीन दशक पहले ही इस्लाम-आक्रमित मंदिरों से संघ-परिवार पल्ला झाड़ चुका है। अपनी ही रैली में रामजन्मभूमि-बाबरी ढाँचा टूटने (1992) के बाद उन्होंने उस की जिम्मेदारी से इन्कार किया था। तभी से पहले उठाए मंदिरों का मुद्दा उठाना भी छोड़ दिया। काशी-विश्वनाथ और मथुरा कृष्ण-जन्मभूमि जैसे महत्वपूर्ण मंदिर भी उस में शामिल हैं। एक सर्वोच्च भाजपा नेता ने कोई दो दशक पहले ही कहा था, %अयोध्या मुद्दा भुनाया जा चुका चेक है'। दलीय लाभ उठा लेने के बाद उन्हें अयोध्या में भी मंदिर से मतलब नहीं रह गया था! इसीलिए वह अदालत में अपनी चाल से जैसे-तैसे निपटा। इस खुले रिकॉर्ड के बावजूद कुछ लोग संघ परिवार पर अपनी भावनाएं आरोपित करते रहते हैं। यह भी नहीं देखते कि भाजपा ने किसी हिन्दू-विरोधी नीति के बनते, संविधान-कानून संशोधन होते कभी विरोध नहीं किया। 44 वें संशोधन से लेकर आज तक विविध अवसरों पर यही दिखता रहा है। हाल का सब से गंभीर उदाहरण 86वें संशोधन के बाद की दुर्गति है। शिक्षा का अधिकार कानून (2009) लागू करने में हिन्दुओं को वंचित कर केवल गैर-हिन्दुओं को कई सुविधाएं दी गईं! फलत- देश में हिन्दुओं द्वारा चलाये जा रहे अनगिनत शिक्षा संस्थान बंद होते जा रहे हैं। क्योंकि हिन्दुओं द्वारा संचालित स्कूलों में प्रवेश, और फीस से? लेकर वेतन, आदि तमाम चीजों पर राजकीय नियम लादे गये। इस से उन पर नियमित बड़ा बोझ पड़ा। इस भार से वे सभी संस्थान मुक्त रखे गये, जिन्हें अ-हिन्दू चलाते हैं! ऐसा कानून साफ-साफ हिन्दुओं से अघोषित जजिया वसूलने जैसा स्थाई जुल्म है। पर इस पर और ऐसे अन्य अन्याय भी होते देख कर संघ परिवार सदैव चुप बना रहा है। निश्चय ही, उन्हें स्वयं अपने हिन्दू होने का बोध भी नहीं! ऐसे अबोध महानुभाव ही भारत के नेता हैं। इसीलिए, दशकों से संसद में मजबूत उपस्थिति रखते हुए भी उन्होंने कभी किसी हिन्दू-विरोधी नीतिगत फैसलों के विरुद्ध कोई कदम नहीं उठाया। उलटे अपनी ओर से विशेष %अल्पसंख्यक' योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में वे भी उत्साह से आगे रहे। भाजपा के बड़े-बड़े नेता गर्व से इस के विवरण देते हैं।? जबकि पहले संघ-परिवार अन्य दलों के ऐसे ही काम को %तुष्टिकरण' कहकर हिन्दुओं को उकसाता था! सो, संघ-परिवार का असल व्यवहार लंबे समय से यह है- गैर-हिन्दुओं को ठोस विशेष लाभ, तथा हिन्दुओं को केवल तमाशे, झुनझुने, और शेखी बघारने या डराने की बातें। यही करते हुए वे जनसंपर्क और चुनाव में अपने? लिए वोट माँगते हैं। भाजपा के अलावा भी संघ के संगठन अलग से गैर-हिन्दुओं के लिए योजनाएं चलाते रहे हैं। जैसे, मुस्लिम महिलाओं को पेंशन देना, मस्जिद मदरसों का निर्माण करना, कुरान का प्रचार करना, प्रोफेट मुहम्मद का जन्मदिन मनाना, इस्लाम के आलोचक विदेशी नेताओं के पुतले जलाना, आदि। उस तरह के काम उन्होंने तब किए जब अधिकांश मुस्लिम नेता उसे हिन्दू नेताओं की %सदभावना' नहीं, बल्कि डरना समझते हैं। उन में यह समझ विगत सौ सालों से पक्की जमी है। खलीफत जिहाद (1921) के समय देश भर में हिन्दुओं के संहार पर गाँधीजी द्वारा विचित्र, सिद्धांतहीन लीपापोती करने के समय से ही वह मानसिकता बनी कि हिन्दू नेता मुसलमानों से डरते हैं। इसीलिए मुस्लिमों के अनुचित कामों पर भी चुप रहते हैं। ऊपर से विशेष सुविधाएं देते रहते हैं! इस परंपरा के कारण ही सैयद शहाबुद्दीन ने चार दशक पहले भी कहा था, हिन्दू सेक्यूलरिज्म का पालन इसलिए करता है क्योंकि मुस्लिम देशों से डरता है। मुस्लिम नेता अपनी दबंगई और अलगाव छिपाते भी नहीं। पर संघ परिवार के नेता भी गाँधीजी की तरह सच्चाई से मुँह मोड़कर झूठी दलीलें देते हैं। जिस से मुस्लिम नेता अपने दंभ में आश्वस्त, मनमानी माँगें और उग्र बयानबाजी करते रहते हैं। जबकि हिन्दू निरे नेतृत्वहीन रहते हैं। यह नेतृत्वहीनता आम हिन्दुओं का दोष नहीं, बल्कि उन से धन और वोट लेकर अपना उल्लू सीधा करने वाले संगठनों के विश्वासघात के कारण है। इस प्रकार, गाँधीजी से लेकर संघ-परिवार के नेताओं तक, एकतरफा %मिल-जुल कर रहने' की दलील देकर हिन्दुओं से धोखा करके जजिया दिलवाया जाता है। यह हिन्दू नेतागण स्वेच्छा से करते रहे हैं। जबकि मुस्लिम नेताओं की मानसिकता, बोली, और गतिविधियाँ सदैव ऊँचे और अलग रहने की रहती है। इस एकतरफेपन का फल हिन्दुओं को अधिकाधिक वंचित करने में होता रहा है।

वोट बैंक और तुगलकी पंचायती फैसले

योगेंद्र योगी

पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुईं। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामलों में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाय इनमें वोट बैंक के हित ढूंढते नजर आते हैं। जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन लागू करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे फैसले आते रहेंगे देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए, लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लडक़ी पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लडक़ी पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लडक़े पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज कर दिया। साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100-1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता है, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात

यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किंतु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत के मनमाने निर्णय पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं। खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायतें बेतुका बयान जारी करती रही हैं। खाप पंचायतों को न तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और न ही आलोचनाओं का, तभी तो उनके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरिज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफहै। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था। खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए, ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाएं और पुरुष उनकी ओर आकर्षित न हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कुंडलपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि दिवस पर विविध आयोजन

कुंडलपुर दमोह (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में 6 फरवरी को युगश्रेष्ठ, महासमाधिधारक, संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि दिवस पर प्रात: भक्तामर महामंडल विधान, आचार्य छत्तीसी विधान, बड़े बाबा का अभिषेक शांतिधारा, पूजन, विधान होगा।प.पू. उपाध्याय श्री विश्रुतसागर जी महाराज ससंघ द्वारा विनयांजली। सायंकाल भक्तामर दीप अर्चना पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती, पूज्य आचार्य श्री की आरती, उपस्थित भक्तों द्वारा आचार्य श्री के संस्मरण की प्रस्तुति। कुंडलपुर स्थित संयम कीर्ति स्तंभ पर दीप प्रज्वलन, आचार्य श्री की आरती होगी होगी।

जीवन क्षणभंगुर है अविनाशी भी : भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी मुनिराज

शुद्ध आत्मा को जानो, निज स्वरूप को पहिचानो।
रागादिक सब दोष रहित, मैं परमातम हूँ मानो।
परमात्म शक्ति, हो-हो-2, ज्ञानी प्रगटाये रे।।
जीवन है पानी की बूंद, कब मिट जाए रे॥

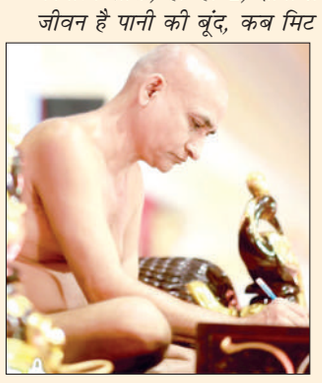

दिल्ली (विश्व परिवार)। जीवन क्षणभंगुर है, विनाशीक है, नश्वर है, ये बात तो सब जानते हैं। इसके साथ-साथ हमें यह भी जानना होगा कि जीवन अविनाशी भी है, अनश्वर भी है। यही अनेकान्त है। हम जीवन के एक पक्ष को ग्रहण करके कभी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। इस धरा पर प्रत्येक वस्तु दो अवस्थाओं में विद्यमान है। पहली द्रव्य अवस्था और दूसरी पर्याय अवस्था। आपके हाथ में सोने का कड़ा है। यहाँ जो सोना मात्र कहा जाए वह उस वस्तु की द्रव्य अवस्था है और सोने का कड़ा कहा जाए वही उस वस्तु की पर्याय अवस्था है। ठीक इसी प्रकार हमारा आत्मा कभी नष्ट नहीं होता। आत्मा द्रव्य दृष्टि से अविनाशी-अनश्वर है इसी आत्मा के साथ जो मनुष्य, तिर्यंच आदि अवस्थायें हैं वे पर्याय हैं अत: क्षणभंगुर -विनाशीक हैं। जिसप्रकार सोने से कड़ा, अंगूठी, हार, मुकुट आदि अनेकविध आभूषण तैयार किए जा सकते हैं किन्तु उन सब में सोना वही रहता है। उसी प्रकार प्रव्य दृष्टि से जीव अविनाशी है उसकी मनुष्य तिर्यंच आदि अवस्थायें परिवर्तित होती रहती हैं।

चर्याशिरोमनी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज को अध्यात्म महर्षी यतिकुलचूडामनी उपाधी प्रदान: कुणाल शहा

पंढरपूर/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। पंढरपूर के युवा श्री कुणाल निरंजन शहा ने अवगत कराया की डॉ शीतल शहा जी के अढीव पंढरपुर तपोवन में संपन्न पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमिटी द्वारा अलंकृत किया गया। प.पू आचार्य श्री 108 सुयशसागरजी महाराज जी द्वारा गुरु गुण वर्णन किया गया। गुरु की महिमा अनंत हैं ऐसे प.पू आचार्य श्री 108 सुयशसागरजी महाराज जी ने कहा। श्री प्रथमेश कासार जी द्वारा प्रशस्ति वाचन किया गया। कमिटी के विद्यमान अध्यक्ष मिहीरभाई गांधी (अकलूज), डॉ. आदर्श मेहता (सोलापूर), डॉ. श्रेणीक शहा (इंदापूर), श्री किरण शहा (पुणे), श्री सुशील शहा (दौंड), श्री सुहास शहा (कुर्डुवाडी), श्री नितीन दोशी (म्हसवड), डॉ. राजेश शहा (म्हसवड), संतोष दोशी, डॉ शीतल शहा, सौ सुषमा शहा, श्री सुदीप शहा, श्री सागर शहा, श्री महेश शहा, श्री उज्वल दोशी आदि प्रमूख मान्यवर उपस्थित थे। **-अभिषेक अशोक पाटील**

रजौटी में 10 फरवरी से 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, जशपुर के अलावा झारखंड के लोग होंगे शामिल

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से नजदीक ग्राम रजौटी में गायत्री परिवार के तत्वाधान में 10 से 11 फरवरी को 05 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया जा रहा हैं। जिसकी तैयारी चल रहीं हैं। भुनेश्वर सिंह ने बताया प्रत्येक साल रजौटी में 05 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की जाती है। इस बार फिर गायत्री महायज्ञ होगा। आयोजन में गायत्री परिवार रजौटी का विशेष सहयोग रहता हैं। दो दिवसीय महायज्ञ में माता गायत्री की विशेष पूजा अर्चना की जायेगी। गायत्री महायज्ञ में जशपुर के आलावा झारखंड के लोग भी शामिल होंगे।

व्यय प्रेक्षक ने किया अभ्यर्थियों के लेखाओं की जांच

लेखा जांच के लिए उपस्थित नहीं हुए अभ्यर्थी को पुन: नोटिस देने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। व्यय प्रेक्षक श्री सुशील गजभिये द्वारा दिनांक नगर पालिका परिषद अभनपुर के लिए गठित व्यय अनुवीक्षण व लेखा परीक्षण टीम का निरीक्षण कार्यालय नगर पालिका परिषद अभनपुर में व्यय अनुवीक्षण सेल में किया अभ्यर्थियों द्वारा प्रथम परीक्षण तिथि को प्रस्तुत किए गए लेखाओं की जांच की गई। लेखा जांच हेतु निर्धारित तिथि को इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी श्री उत्रसेन गहिरवारे और भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी श्री शिवनारायण बघेल उपस्थित नहीं हुए अत: अध्यक्ष पद के दोनों प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नोटिस जारी किया गया था। 04 फरवरी को कार्यालयीन समय शाम 5:30 तक 24 घण्टे के अंदर भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी उपस्थित हो गए किन्तु इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी श्री उत्रसेन गहिरवारे लेखा जांच के लिए उपस्थित नहीं हुए। अत: व्यय प्रेक्षक श्री गजभिए द्वारा उन्हें पुन: नोटिस जारी करने हेतु व्यय लेखा दल को निर्देशित किया गया।

मुनिश्री विलोकसागर जी के सानिध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हेतू भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न

बड़ागांव गेट बाहर सूंजे खां खिड़की मार्ग स्थित चावला कॉलोनी के निकट होगा महामहोत्सव

स्वतंत्रता जीवन के लिए वरदान एवं स्वच्छंदता अभिशाप है : मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज

झांसी (विश्व परिवार)। वीरभूमि झांसी महानगर के बड़ागांव गेट बाहर सूंजे खां खिड़की मार्ग पर चावला कॉलोनी के पास 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होने वाले श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ हेतू पूज्य मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य एवं सह प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी नवीन भैया जी के निर्देशन में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमति चमेली जैन, हेमंत जैन (सुपाड़ी), को मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रदीप जैन चैनू, खुशाल जैन, रमेश जैन बिजली, दिनेश जैन डीके, रविन्द्र जैन चिरगांव, रविन्द्र सिंघई, मनोज सिंघई, नितिन जैन अछरौनी, राजेश जैन लाला, मुकेश जैन वीडियो, इंजी. अनिल जैन ने विधिविधान पूर्वक मंगल सामग्री समर्पित की। श्रीमति प्रभा ङ्क दिनेश जैन दीनू (चावला कॉलोनी), श्रीमति अंजू ङ्क रविन्द्र जैन रेल्वे, श्रीमति नेहा ङ्क अलंकार जैन को महामंडलेश्वर का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वहीं कटरा रोड स्थित श्री अतिशयकारी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर की धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज ने कहा कि स्वतंत्रता जीवन के लिए वरदान एवं स्वच्छंदता अभिशाप है। मुनिश्री ने धर्मसभा में संपूर्ण समाज से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रचार प्रसार हेतू आह्वान भी किया।

इस अवसर पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के मुख्य मार्गदर्शक अजित कुमार जैन (बीड़ी वाले), परम संरक्षक शैलेन्द्र जैन प्रेस, मुख्य सलाहकार जिनेन्द्र सर्राफ, आनन्द ड्योढिया, प्रदीप जैन चैनू, समन्वयक डॉ प्रमोद जैन, मुख्य संयोजक दिनेश जैन डीके, कार्याध्यक्ष खुशाल जैन, स्वागताध्यक्ष रविन्द्र जैन रेल्वे, कार्यक्रम संयोजक विनोद जैन ठेकेदार, उपाध्यक्ष रविन्द्र जैन चिरगांव, सह कोषाध्यक्ष कमलेश जैन (रोहित गारमेंट्स), कानूनी सलाहकार एड. पवन जैन, संयोजक प्रमोद जैन वैरायटी, शरद जैन, मनोज सिंघई, विकास जैन चिरगांव, अंकित सर्राफ, कमल जैन भुचेरा, प्रमोद जैन बब्बा, विवेक जैन विक्की, जिनेन्द्र जैन शामयाना, राहुल जैन टेंट, पुष्पेन्द्र जैन रानीपुर, पंचायत कोषाध्यक्ष जितेन्द्र चौधरी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन सौरभ जैन सर्वज्ञ ने किया।

जानकारी देते हुए सौरभ जैन सर्वज्ञ ने बताया कि गुरुवार 6 फरवरी को आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के प्रथम समाधि दिवस के अवसर पर कटरा रोड स्थित श्री अतिशयकारी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रीजी का महामस्तकाभिषेक एवं मुनिश्री के मुखारविंद से शांतिधारा तत्पश्चात आचार्य श्री की महापूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

दिल्ली से 23 मार्च से आरंभ धर्म पदयात्रा में शामिल होकर 2 जुलाई को नेमि मोक्ष दिवस पर गिरनार जी अवश्य जाना : मुनि श्री वीर सागर जी मुनिराज

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व जैन संगठन युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री सागर जैन, सरधना ने बताया कि आज 5 फरवरी को नागपुर में विराजमान संत शिरोमणि पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 वीर सागर जी मुनिराज को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन द्वारा दिल्ली से 23 मार्च को आरंभ होकर 2 जुलाई 2025 को 22वे तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल गिरनार जी पहुंचने वाली धर्म पद यात्रा के लिए मंगल आशीर्वाद और मार्गदर्शन के निवेदन को धर्म सभा में निवेदित किया।

पूज्य मुनि श्री 108 वीर सागर जी मुनिराज ने धर्म सभा में विश्व जैन संगठन द्वारा दिल्ली से गिरनार जी की 101 दिवसीय 1500 किमी लंबी श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा की निर्विघ्न सफलता के लिए आशीर्वाद देते हुए सभी समाज को एकता का परिचय देते हुए पद यात्रा की अनुमोदना कर पद यात्रा में शामिल होकर 22वे तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के मोक्षस्थल गिरनार जी पर मोक्षकल्याणक दिवस 2 जुलाई को पूर्ण श्रद्धाभाव से जाने की प्रेरित करते हुए मार्गदर्शन दिया।

संगठन की मुख्य कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य अनुज जैन, गौरव जैन (लक्ष्मी नगर, दिल्ली), युवा प्रकोष्ठ के सदस्य संयम जैन और नागपुर से संगठन के सदस्यों व सहयोगियों ने पूज्य मुनि श्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। **-आकाश जैन**

अटल विश्वास पत्र का एक-एक वादा पूरा करेंगे, ये हमारी गारंटी है : साय

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय निकायों के लिए भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र अटल विश्वास पत्र में हमने नगरीय निकाय क्षेत्रों के विकास के लिए जो घोषणाएं की हैं, वह विकास की गारंटी है। जिस तरह मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी है, ठीक उसी तरह हम अटल विश्वास पत्र का एक-एक वादा पूरा करेंगे, ये हमारी गारंटी है। इसलिए कोरबा सहित प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऊर्जानगरी कोरबा के घण्टाघर मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। अपने नगरीय निकाय चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने जनता से कोरबा शहर के चहुंमुखी और निर्बाध विकास के लिए नगर निगम कोरबा की महापौर प्रत्याशी संजू देवी राजपूत और सभी 67 वार्डों के पार्षद पद हेतु भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया। सीएम साय ने कहा कि नगरीय निकायों में कई पीढ़ियों से नजूल भूमि में मकान बनाकर रह रहे लोगों को उनके जमीन का मालिक बनाना है, इसके लिए नया कानून लाएंगे। शहरी क्षेत्रों में आने वाले समय में तीन लाख से अधिक पीएम आवास बनाएंगे। नगरीय क्षेत्र में रहने वाले, जो बिजली बिल, संपत्ति कर समय में पटाते हैं, उनको भी पीएम आवास का लाभ दिलाएंगे, 15 हजार मासिक आमदनी वाले, 5 एकड़ सिंचित और ढाई एकड़ असिंचित जमीन एवं दोपहिया वाहन वालों को पीएम आवास दिलाएंगे।

जैन संत कल्पज्ञ सागर जी का देवलोक गमन, महाप्रयाण डोल यात्रा में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्र से जैन समाज के लोग हुए शामिल

जैन प्रतिष्ठान रहे बंद, सुधर्म जैन पोषध शाला बांध तालाब दुर्ग में हुआ गुणानुवाद सभा का आयोजन

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग जैन संत श्री कल्पज्ञ सागर जी महाराज का कल रात्रि 7 बजे निजी चिकित्सालय में देवलोक गमन हो गया वे विगत कुछ माह से अस्वस्थ चल रहे थे।

आज उनकी महाप्रयाण डोल यात्रा में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से गुरु भक्त परिवार अंतिम विदाई देने बड़ी संख्या में जैन समाज के अनुयाई पहुंचे थे। खतरगक्ष आचार्य श्री जिन मनोज्ञसुरी जी महाराज के शिष्य रत्न दुर्ग जैन संघ के गोरव तपस्वी स्वध्यायी वयोवृद्ध संत श्री कल्पज्ञ सागर जी विगत कुछ वर्षों से दुर्ग नगर में विराजमान थे। आज शीतलनाथ जैन मंदिर पदमनाभपुर से महाप्रयाण यात्रा प्रारम्भ हूई जो पटेल काम्प्लेक्स सुराणा कालेज रविशंकर स्टेडियम बस स्टेंड फरिसता काम्प्लेक्स होटल मान होते हुए हरना बांधा मुक्ति धाम पहुंची जहां उनके सांसारिक पुत्र निमेश छाजेड़ एवं परिवार जनों ने मुखाग्नि दी।

राजेस्थान की भुमि बलेवाजिला बाड़मेर में जन्म लेने वाले श्री किशन लाल जी छाजेड़ की प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान में ही हुई कुशाग्र बुद्धि के धनी श्री किशन लाल जी छाजेड़ अपने परिवार का पालन पोषण करने दुर्ग आ गए और संघर्ष करते हुए ठेकेदारी का व्यवसाय प्रारंभ किया ओर अपने परिवार के सदस्यों को पढ़ाई लिखाई कराकर योग्य बनाया उनके एक पुत्र ओर तीन पुत्री सहित भरा-पुरा परिवार पीछे छोड़ गए हैं। उनके पिता प्रताप चंद ओर माता देमीबाई थे। आपके पिता श्री प्रताप सागर जी तथा छोटे भाई श्री मनोज्ञसागर जी महाराज जो वर्तमान में खतरगक्ष आचार्य के रुप में जिनशासन की प्रभावना कर रहें हैं जो वर्तमान में राजेस्थान में विराजमान हैं।

छत्तीसगढ़ प्रवर्तक संत श्री रतन मुनि जी एवं आचार्य मनोज्ञसागर जी के सानिध्य में विक्रम संवत 2069 में श्री मनोज्ञसागर जी से ऋषभदेव परिसर में दीक्षा ग्रहण की और दीक्षा के बाद सही देश के विभिन्न क्षेत्रों में विचरण किया अभी कुछ वर्षों से स्वास्थ्य में अस्वस्थ के कारण दुर्ग नगर में विराजमान थे।

उपाध्याय प्रवर श्री महेंद्र सागर जी एवं श्री मनीष सागर जी महाराज के सानिध्य में आज दोपहर 2:30 बजे श्री सुधर्म जैन पोषध शाला में श्रद्धा सुमन अर्पित करने गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसे संत उपाध्याय श्री महेंद्र सागर जी श्री मनीष सागर जी साध्वी श्री दर्शन प्रभा जी ने धर्म सभा को संबोधित किया। संत श्री महेंद्र सागर जी महाराज ने स संबोधित करते हुए कहा अपनी कही बातों पर हमेशा अडिग रहना कल्पज्ञ सागर जी का स्वभाव था पिता एवं छोटे भाई के संयमी जीवन से प्रभावित होकर धर्म कर्म करते हुए त्याग तपस्या का नियमित क्रम संयम जीवन के साथ चला रहा जीवन के अंतिम पड़ाव में भी क्षमता भाव में समाधि में लीन हुए। **-नवीन संचेती**

महापौर बनने पर शुद्ध पेयजल आपूर्ति एवं सफाई व्यवस्था कायम करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी : मीनल चौबे

पिंक टायलेट्स की संख्या में वृद्धि एवं जनसमस्या का त्वरित निराकरण किया जाएगा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम क्षेत्र के तीन वार्डों से लगातार पार्षद रहीं एवं नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष पद पर कार्य करने वाली महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने आज प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित रूबरू कार्यक्रम में शामिल होकर कहा कि महापौर बनने पर उनकी पहली प्राथमिकता आम नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना एवं सफाई व्यवस्था कायम करना होगी। उन्होंने कहा कि रायपुर नगर निगम क्षेत्र को सुंदर स्वच्छ बनाना उनका सपना है। सभी के सहयोग से मिलजुलकर उक्त कार्य किया जाएगा। मीनल ने बताया कि केंद्र सरकार से नगरीय क्षेत्र के विकास के लिए किसी प्रकार की फंड की कमी नहीं है। मुद्दा सही मद में केंद्र से मिली राशि को व्यय करने का है। शहर में पिंक टायलेट्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की जाएगी। वे प्रतिदिन महापौर बनने पर जन समस्या के निराकरण के लिए स्वयं महापौर कक्ष में उपस्थित रहेंगी। चौबे ने बताया कि संपत्ति कर की वसूली एक अहम मुद्दा है यह नगर निगम के विकास में व्यय होने वाली राशि का बड़ा मुद्दा है। विशेष अभियान चलाकर सभी 70 वार्डों से नगर निगम संपत्ति कर की वसूली करेगा। महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने पर पंजीयन में 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जाएगा। केंद्र सरकार से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक बस यातायात सुगम बनाने के लिए रायपुर नगर निगम को मिलने वाली है। अवैध कब्जों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फु टकर व्यापारियों के लिए दुकानों का निर्माण कर उन्हें किस्त योजना के तहत दुकानें एलाट की जाएंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

15 साल तक नगर निगम में रहकर कांग्रेस ने शहर के विकास के लिए कुछ नहीं किया। मीनल चौबे ने कहा कि वार्डों के विकास कार्यों में समदृष्टि रखी जाएगी। महिलाओं के लिए रोजगार के क्षेत्र में नई योजनाएं बनाई जाएंगी। उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। मीनल चौबे का प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष बृजेश चौबे एवं रेणु तिवारी ने पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

दो दिवसीय एच पी सी कार्यशाला का समापन, जशपुर के दो शिक्षक एचपीसी कार्यशाला में हुए शामिल

राजेन्द्र प्रेमी ने एनपीसी-2020 पर स्वरचित प्रेरणा गीत किया प्रस्तुत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर में दो दिवसीय एच पी सी कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। इस कार्यशाला में जशपुर के शिक्षक ट्रेनर राजेन्द्र प्रेमी एवं निशान्त रॉय शामिल हुए थे। मास्टर ट्रेनर राजेन्द्र प्रेमी द्वारा एनपीसी-2020 विषय पर स्वरचित प्रेरणा गीत प्रस्तुत कर प्रशिक्षणार्थी में उत्साह भर दिया।

राजेन्द्र प्रेमी ने बताया एनसीईआरटी परख नई-दिल्ली के निर्देशानुसार मण्डल के अध्यक्ष के संरक्षण में, सचिव पुष्पा साहू के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत दो दिवसीय 3 एवं 4 फरवरी को होलिस्टिक प्रोगेस कार्ड कार्यशाला सह-प्रशिक्षण एनसीईआरटी परख नई दिल्ली से उपस्थित रिसोर्स पर्सन के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने जागरूकता, संवेदनशीलता, रचनात्मकता, सामान्य जानकारी, स्व-मूल्यांकन, समय प्रबंधन, जीवन के लिए कौशल, जीवन क लिए सामाजिक भावनात्मकता कौशल, समूह परियोजना कार्य को बताया गया।

कार्यशाला में उपसचिव जेके अग्रवाल ने सभी प्रशिक्षणार्थी को मार्गदर्शन दिये। इस दौरान सभी को स्मृति चिन्ह दिया गया। कार्यशाला में एनएपी 2020 के नोडल डॉ.प्रदीप कुमार साहू सहायक प्राध्यापक प्रीति शुक्ला, मनीषि सिंह, शिवा सोमवंशी, अंशुमन कसेर, सिरीज पाल सहित मण्डल के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बसंत ऋतु के अवसर पर नगर निगम भिलाई में पौधा रोपण किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के राशि उद्यान में बसंत ऋतु गुप्त नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर पौधादरोपण किया गया। पौधा रोपण का उददेश्य है कि प्रकृति को हरा-भरा एवं सुन्दर बनाना। लोगों को प्रकृति के साथ जोड़ना।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी द्वारा स्थानीय नागरिको की उपस्थिति में पौधा रोपण किया गया। आयुक्त पाण्डेय ने कहा आज के दिन वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। प्रकृति से हमे सब कुछ मिलता है, हमे बस इतना ध्यान देना है, जो पौधा लगा रहे है, उसको बराबर पानी मिले। इससे बहुत संतुष्टि मिलती है, नगर निगम भिलाई द्वारा लगाए हुए वृक्षों को सहेजने, पानी देने, साफ-सुथरा करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सभी नागरिको से अपील की जाती है, कि जो भी वृक्ष उनके धर के सामने लगे है। उसका स्वयं देख-देख करें, पानी देवें। चाहे वो स्वयं करे और अपने नाम की पटटीका भी लगवा सकते है। हर परिवार पांच पेड़ की जिम्मेदारी अगर ले लेगा, तो नगर हरा-भरा एवं सुन्दर हो जाएगा।

वृक्षारोपण के दौरान जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, कार्यपालन अभियंता वीनिता वर्मा, अभियंता बसंत साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू, जनसम्पर्क अधिकारी अजय कुमार शुक्ला, भारत विकास परिषद के सचिव जितेन्द्र सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता तुलसी भमभवानी आदि उपस्थित रहे।

आरक्षित सीट में गैर आदिवासी महिला लड़ेगी चुनाव, आदिवासी अभ्यर्थी के अधिकारों का हनन

पंचायती राज चुनाव का हाल : शपथ पत्र दो और आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ो, शपथ पत्र के आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर ने दी क्लीन चिट

महेन्द्र सहिस

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विकासखंड के ग्राम पंचायत डोंगरी गांव में सरपंच पद के लिए आरक्षण अनुसूचित जन जाति वर्ग मुक्त घोषित किया था। जिस पर चार प्रत्यार्शीयो ने फॉर्म भरा था । इन्ही प्रत्यार्शीयो में आरती ध्रुव ने अपने आप को गोंड होने का दावा करते हुए इसके पक्ष में हलफनामा प्रस्तुत किया। जिस पर स्कूटनी के दौरान पूर्व सरपंच चमरू राम नेताम के द्वारा आपत्ति दर्ज की गई। चमरू राम नेताम का कहना है कि आरती ध्रुव अनुसूचित जाति वर्ग की महिला है, उनका विकासखंड देवभोग अंतर्गत ग्राम पंचायत कैटपदर के स्कूल दाखिला खारिज में नाम भोजनी नेताम पिता रगमन नेताम दर्ज है। जो कि प्रेमलाल ध्रुव पिता नागेंद्र ध्रुव के साथ प्रेम विवाह की है, विवाह उपरांत भोजनी उर्फ (आरती ध्रुव)के नाम एवं उपनाम में परिवर्तन किया है जबकि इनका वास्तविक नाम भोजनी नेताम पिता रगमन नेताम जाति गांडा ग्राम कैटपदर में अनुसूचित जाति वर्ग में आता है। ऐसे में आरक्षित सीट पर गैर आदिवासी अभ्यर्थी ने शपथ पत्र प्रस्तुत कर किया जिस आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमत: चुनाव निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकार कर लिया।

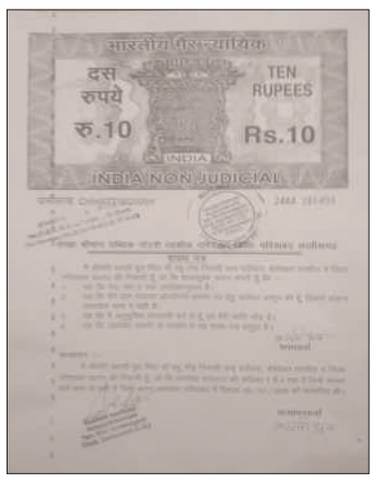

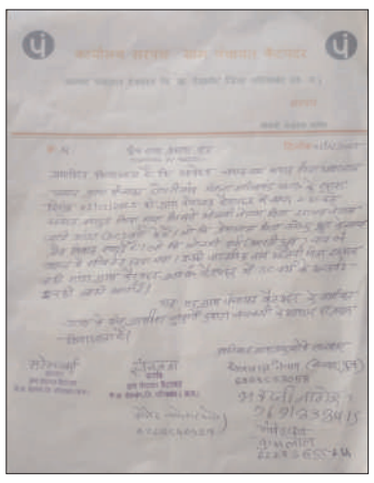

उल्लेखनीय हैँ कि ऐसे में गैर-आदिवासी महिला केवल विवाह के आधार पर आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ती है, तो यह भी एक नजीर बनेगी और आगे अन्य प्रत्याशियों के लिए मान्य होगा। इस मामले में विधि वेक्ताओ से बात कि गई तो उन्होंने बताया कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट की उन गाइडलाइंस से जुड़ा हुआ है, जिनमें स्पष्ट किया गया है कि शादी के आधार पर जाति या जनजाति की पहचान नहीं बदली जा सकती। यदि कोई अनुसूचित जाति (स्ष्ट) की महिला अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ञ) के व्यक्ति से विवाह कर लेती है, तो उसे अनुसूचित जनजाति का लाभ नहीं मिलेगा, क्योंकि जाति जन्म से निर्धारित होती है।

यदि कोई गैर-आदिवासी महिला अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ञ) के लिए आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ने के लिए झूठा शपथ पत्र देती है, तो यह कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई हो सकती है।रिटर्निंग ऑफिसर जाति का सत्यापन कर्ता नहीं हैँ इस लिए उनके द्वारा कि गई कार्यवाही वैध हैँ। इस मामले को माननीय न्यायालय के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत कर चुनौती दी जा सकती हैँ।

जाति व आरक्षण को लेकर चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश नहीं हैँ। इसमें जाति प्रमाण पत्र कि मांग ही नहीं कि जाति। चुनौती देने पर अभ्यार्थी से जाति के सम्बन्ध में हाफनामा प्रस्तुत कर योग्य आरक्षित वर्ग के पद पर कब्जा किया जा सकता हैँ।

मयंक अग्रवाल, रिटर्निंग आफिसर ने बताया कि चुनाव आयोग के लिखित निर्देशो का पालन करते हुए दोनों पक्षो को पूरा समय दिया गया। जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के एवज में उनसे जाति के संबंध में शपथ पत्र माँगा गया, उसके पश्चात उनका फार्म स्वीकार किया गया हैँ।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सूरजपुर में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक हुई संपन्न

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-आज कन्या महाविद्यालय सूरजपुर में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक प्राचार्य बृजलाल साहू की अध्यक्षता एवं सभी सदस्यों की उपस्थिति में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुई. आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ समन्वयक श्री संदीप कुमार सोनी ने स्वागत उदबोधन के साथ पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के बारे में बताया एवं इक्सी के कार्यों को सभी सदस्यों के साथ साझा किया. इस बैठक में 7 एजेण्डा पर चर्चा हुई जो कि औद्योगिक, स्वास्थ्य जागरूकता, कौशल विकास, कार्यशाला एवं सेमिनार का आयोजन, स्वरोजगार की संभावनाएं, भूतपूर्व छात्रों का पंजीयन एवं पोषक शाला संपर्क अभियान विषयों पर गहन चर्चा हुई एवं सभी सदस्यों ने इन एजेण्डा के क्रियान्वयन हेतु अपने विचार प्रस्तुत किये साथ ही महाविद्यालय कि गुणवत्ता को बढाने हेतु अपने सुझाव रखे। डॉक्टर अजय मरकाम, अवधेश कुशवाहा, के पी शर्मा, मीना राजेंद्रन, प्रकाश सोलंकी,ज़ाहिद सिद्दीकी, शीतल सोनी, रंजना सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक गण की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस बैठक संचालन का कार्य डॉ धनंजय पाण्डेय द्वारा किया गया।

बजाज फिन्सर्व एएमसी कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति के साथ 'बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड' की घोषणा करता है

मुंबई/पुणे: बजाज फिन्सर्व एएमसी ने एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की शुरुआत की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉकों में निवेश किया जाएगा। इन्वेस्टर के लिए यह फंड फरवरी 6, 2025 से शुरू होकर फरवरी 20, 2025 को बंद होगा। बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड एक कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति का अनुसरण करेगा जो बाज़ार की लोकप्रिय धारणाओं के विपरीत अप्रयुक्त और कम मूल्यांकित स्टॉकों को पहचानेगा। इस रणनीतिक दृष्टिकोण में कम समर्थित संपत्तियों की खरीद या लोकप्रिय स्टॉकों की बिक्री भी शामिल हो सकती है। फंड प्रबंधक आर्थिक और व्यवसाय चक्रों, अस्थायी व्यावसायिक अवरोधों, मूल्यांकन की अप्रभावशीलता, प्रतिवर्तनों और कम समर्थित विकास कारकों द्वारा प्रदत्त कम प्रभावशील मूल्यांकनों और निवेश अवसरों को पहचानने के लिए बाज़ार रुझानों और भावनाओं का अनुसरण करेंगे। यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कंपनियों में संतुलित रूप से निवेश करेगा जिससे एक विविध बेहतर पोर्ट्फोलीओ को बनाए रखा जा सके। इस अनुशासित निवेश दृष्टिकोण के माध्यम से यह मल्टी कैप फंड उन अवसरों से दीर्घकाल में बेहतरीन प्रतिफल प्राप्त करने का उद्देश्य रखता है जिन्हें दूसरे छोड़ सकते हैं। यह फंड उन निवेशकों के लिए उचित है जो लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप के क्षेत्रों में विविध निवेश करने की इच्छा रखते हैं और अस्थिरता के समय में एक अच्छा निवेश अवसर तलाश कर रहे हैं। कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति का पूर्ण सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए निवेशकों को 5 वर्ष या उससे अधिक निवेश अवधि रखने की सलाह दी जाती है। यह योजना निफ्टी 500 मल्टीकैप 50:25:25 टीआरआई इंडेक्स (टीआरआई) के समक्ष बेंचमार्क की गई है।

बीकेसी में सैमसंग के स्टोर ने नए गैलेक्सी S25 सीरीज स्मार्टफोन की 700 से अधिक डिलीवरी के साथ रिकॉर्ड बनाया

गुरुग्राम,: बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में सैमसंग के प्रमुख स्टोर ने नए गैलेक्सी S25 सीरीज की सफ्लता का जश्नश मनाया। कंपनी ने स्मा र्टफोन की जल्दे डिलीवरी शुरू करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया और 700 से अधिक ग्राहकों को यह फोन सौंपे गए। यह रिकॉर्ड डिलीवरी बहुप्रतीक्षित स्मार्टफोन सीरीज के प्री-ऑर्डर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद हुई है। इस मौके पर सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एमएक्स डिवीजन के कॉर्पोरेट ईवीपी/डिवीजन प्रमुख सून चोई स्टोर पर उपस्थित थे और उन्होंने खुद कुछ ग्राहकों को गैलेक्सी S25 डिवाइसेस सौंपे, जिन्होंने इसके लिए प्री-ऑर्डर किया था। इस भव्य कार्यक्रम में स्टोर की पहली सालगिरह भी मनाई गई, जो विशेष रूप से तैयार किये गये अनुभवों और असल जिंदगी की कहानियों के माध्यम से सैमसंग के शीर्ष प्रीमियम प्रॉडक्ट्स को प्रदर्शित करने के लिए जाना जाता है। ग्राहकों की संख्या को मैनेज करने और एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए स्टोर ने स्वादिष्ट भोजन और ड्रिंक की व्यवस्था के साथ-साथ समर्पित डेटा ट्रांसफर जोन और डिवाइस एक्सचेंज काउंटर भी लगाए थे।

नगर पंचायत भटगांव में डोर-टू-डोर सघन जनसंपर्क करती दिखीं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार न्यूज़)-छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी का प्रचार अभियान जोरों पर है। इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नगर पंचायत भटगांव के वार्ड क्रमांक 01 (शिवारी पारा) में घर-घर जाकर सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने जनता से भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की और कहा

भाजपा म हे मोर विश्वास, हर नगर म होही विकास- भाजपा को जिताने की अपील, चारों खाने चित करेगी भाजपा- जनता से संवाद करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नगर पंचायत भटगांव की भाजपा अध्यक्ष प्रत्याशी श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े एवं बीजेपी पार्षद प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए नगर निकायों में भाजपा की विजय आवश्यक है।

भाजपा की जीत का मतलब उस क्षेत्र का विकास - उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में ही नगरीय विकास, मूलभूत सुविधाओं, सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता, और जनकल्याणकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन संभव है। इसलिए जनता से अपील की कि वे कमल के फूल पर बटन दबाकर भाजपा को विजयी बनाएं और विकास की धारा को अविरल बनाए रखें।

भाजपा की लहर, जनता का समर्थन- भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता ने इस जनसंपर्क अभियान में अपार उत्साह दिखाया। हर गली-मोहल्ले में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जी का भव्य स्वागत हुआ, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि इस बार भाजपा नगर निकाय चुनाव में ऐतिहासिक विजय दर्ज करने जा रही है। भाजपा की विजय सुनिश्चित है।

भाजपा का अटल विश्वास पत्र, जीतेंगे तो करेंगे संकल्प पूरा- पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू

नजूल भूमि में काबिज लोगों को मिलेगा अधिकार, आवास भी होगा स्वीकृत

गरियाबंद (विश्व परिवार)। बुधवार को भाजपा ने निकाय चुनाव के लिए घोषणा पत्र की घोषणा की। जिला भाजपा कार्यालय में पूर्व कृषि मंत्री चंद्र शेखर साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा पत्र की विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने महिलाओं, युवाओं, गरीबो सहित सभी वर्ग के विकास और नगर के विकास के लिए भाजपा क्या काम करेगी इसकी विस्तृत जानकारी दी।

पूर्व मंत्री साहू ने बताया कि भाजपा की सरकार बनेगी तो नजूल भूमि में जो लोग है उन्हे पट्टा मिलेगा। आवास बनाने की प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए केवल उनका बिजली बिल, समेकित कर का रसीद होना जरूरी है। इसके अलावा महिलाओं के लिए प्रॉपर्टी में 25 प्रतिशत का अतिरिक्त छूट कर में दिया जाएगा। 07 तारीख के पहले संपति कर भुगतान करने वालों को 10 प्रतिशत रिवेंट दिया जाएगा। पुरानी संपत्ति कर बकाया के एकमुश्त जुर्माना मुक्त अवसर दिया जाएगा।

इसके अलावा महिलाओं के बाजार में पिंक टॉयलेट अलग से बनाया जाएगा। युवाओं के विद्यालय और महाविद्यालय की ओर से फ्री वाईफाई की सुविधा दी जाएगी। स्कूल कालेज में सैनेट्री पैड की उपलब्धता की जाएगी। बर्तन बैंक की सुविधा दी जाएगी।

गोमचे ठेले वाले को 30 हजार को वित्तीय सहायता दी जाएगी। पहले यह 10 हजार थी। उनके लिए अलग से वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। फूड स्ट्रीट स्थापित करेंगे।

स्वच्छ और स्वस्थ नगर के उद्देश्य से प्रत्येक घर के कचड़ा के लिए हरा और नीला डब्बा। शाम के समय सफाई व्यवस्था की जाएगी। नए जल टंकी का निर्माण, दो पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था। युवाओं के लिए नालंदा के तर्ज में लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी। फायर ब्रिगेड की सुविधा बधाई गई है। यातायता की व्यवस्था के दृष्टिकोण से व्यवस्थित किया जाएगा। शहरी जोन में ऑक्सीजोन और वृक्षारोपण करेंगे। स्ट्रीट लाइट सौर आधारित होंगे। नगर के सार्वजनिक स्थानों में फ्री वाईफाई की सुविधा दी जाएगी। सेवा क्षेत्र में प्रेस भवन की सुविधाओं में विस्तार करते हुए पुस्तकालय बनाया जाएगा।

कांग्रेस के वादे पहले भी अधूरे रहे- इस दौरान पूर्व मंत्री साहू ने कहा की कांग्रेस ने पांच साल पहले कई वादे किए थे। सत्ता में आने के बाद एक भी वादे पूरे नहीं किए। महिला थाने की बात की लेकिन एक ईट नही रखी। सी मार्ट की योजना फेल रही। महिलाओं को एक हजार पेंशन देने का वादा अधूरा रह। फूड पार्क, शहरी विकास, पार्किंग प्लान, गरीबों का आवास मकान रोका, सस्ती बिजली के वादे भी झूठे निकले।

संक्षिप्त समाचार

डॉ अजय सहाय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए) के मीडिया प्रभारी बने

दुर्ग। डॉ अजय सहाय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। यह निर्णय उन्हें दुर्ग में आयोजित आई एम ए की बीसवीं राज्य स्तरीय कॉफ्रेंस के दौरान आयोजित राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। विदित हो कि डॉ सहाय एसोसिएशन के चार बार रायपुर शाखा के अध्यक्ष एवं सन 2016-17 में प्रांताध्यक्ष रह चुके हैं। अतिविशिष्ट गतिविधियों एवं उपलब्धियों के लिए उन्हें देश में चिकित्सकों की इस सबसे बड़ी संस्था द्वारा दो दर्जन से ज्यादा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका हैं।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जनवरी 2025 में 4,44,847 यूनिट्स बेचे

रायपुर: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज जनवरी 2025 के बिक्री आंकड़े घोषित किए। कंपनी की कुल बिक्री जनवरी 2025 में 4,44,847 यूनिट्स की रही, जिसमें 6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई। इसमें घरेलू बिक्री 4,02,977 यूनिट्स और 41,870 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। इस माह में घरेलू बिक्री में 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर जबकि निर्यात में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है। यह उल्लेखनीय है कि एचएमएसआई के वित्तीय वर्ष 2025 (अप्रैल 2024 - जनवरी 2025) की कुल बिक्री 49,81,767 यूनिट्स रही। इसमें घरेलू बिक्री 45,41,323 यूनिट्स और 4,40,444 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। एचएमएसआई के जनवरी 2025 की प्रमुख विशेषताएँ: • प्रोडक्ट: HMSI ने एक्टिवा, लिवो और डियो के अपडेटेड ह्र्क्च्ष्2क्क अनुकूलित संस्करणों को उन्नत नए फीचर्स के साथ पेश किया। इसके अलावा, कंपनी ने अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत किया, जिसमें CB650R और CBR650R के नवीनतम संस्करण लॉन्च किए गए। ज़ भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025: एचएमएसआई ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में नए और स्थायी मोबिलिटी समाधान प्रस्तुत किए। कंपनी ने ऑल-न्यू एक्टिवा ई: और क्यूसी1 की कीमतों की घोषणा की। इसके अलावा, CB300F फ्लेक्स-फ्यूल, होंडा का पोर्टेबल इलेक्ट्रिक स्कूटर मोटोकम्पैक्टो, इलेक्ट्रिक रेसिंग गो-कार्ट और उन्नत बैटरी स्वैपिंग तकनीक के साथ समर्पित होंडा पावर पैक एक्सचेंजर ई: का भी प्रदर्शन किया गया। ज़ सड़क सुरक्षा: भारत में सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाते हुए, एचएमएसआई ने भारत के 11 शहरों में अभियान चलाए। जीरकपुर (पंजाब), भोपाल और विदिशा (मध्य प्रदेश), बाहुला (पश्चिम बंगाल), ओंगोल (आंध्र प्रदेश), चिपलून और अहमदनगर (महाराष्ट्र), दावणगेरे (कर्नाटक), पालक्कड़ (केरल), राजकोट (गुजरात), और धनबाद (झारखंड)। इसके अलावा, एचएमएसआई ने चेन्नई (तमिलनाडु) में स्कूल प्रधानाचार्यों के साथ सड़क सुरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया जो चल रहे प्रोजेक्ट - हमारे भविष्य की पीढ़ी के मानसिकता विकास का हिस्सा है।

सोनिक साउंडस्केप को घर लाएं, डॉल्बी एटमॉस के साथ सैमसंग टीवी और साउंडबार पर शानदार ऑडियो का आनंद उठाएं

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 'फोली - साउंड मीट्स स्टोरी' नाम की एक खास, ओरिजनल सीरीज का अनावरण किया, जो दर्शकों को शानदार ऑडियो की कला और विज्ञान के माध्यम से एक सिनेमाई यात्रा पर ले जाएगा। इस वीडियो सीरीज़ का निर्माण डॉल्बी के सहयोग से किया गया है। यह प्रीमियम ऑडियो हार्डवेयर सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को फिर से परिभाषित करने की दिशा में सैमसंग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सहयोग डॉल्बी की ऑडियो विशेषज्ञता को टीवी और साउंडबार में सैमसंग की अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ता है। 'फोली - साउंड मीट्स स्टोरी' पांच एपिसोड वाली एक सीरीज है। इनमें से प्रत्येक एपिसोड पांच तत्वों में से एक से प्रेरित है। ये तत्व हैं आग, पानी, हवा, जंगल और भोजन। पेशेवर फोली कलाकारों के नजरिए के साथ, प्रत्येक एपिसोड साउंडस्केप्स को तैयार करने के पीछे की कलात्मकता को प्रदर्शित करता है जो डॉल्बी एटमॉस0 में इन तत्वों के सार को दर्शाता है। यह सीरीज डॉल्बी एटमॉस0 की भूमिका पर प्रकाश डालती है जो ऐसी ध्वनियों के साथ एक ऑडियो प्रदान करती है जिसे हर जगह सुना और महसूस किया जा सकता है। इससे सैमसंग हार्डवेयर की उत्कृष्टता भी स्पष्ट होती है जो उपभोक्ताओं के लिए इन साउंड्स को स्पष्टता और गहराई के साथ जीवंत बनाता है।

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज का जीवन हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम स्मृति महोत्सव के प्रथम दिन चंद्र गिरी तीर्थ डोंगरगढ पहुंचे मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री

कदम कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा यह जिंदगी गुरुदेव की गुरुदेव पर लुटाए जा : 108 निर्यापक श्रमण श्री समता सागर जी महाराज

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज का जीवन हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा हमारे भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी हमेशा उनसे प्रेरणा लेते थे तथा उन्ही की प्रेरणा से भारतीय शिक्षा नीती ने उन्ही के सामने मूर्त रुप ले चुकी है। उपरोक्त उदगार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु जी सहाय ने संत शिरोमणि आचार्य गुरूदेव विद्यासागरजी महामुनिराज की समाधिस्थल चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में पहुंचकर समाधि स्थल के दर्शन कर दौपहर में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किये इस अवसर पर उन्होंने ऐलक श्री धैर्यसागर महाराज द्वारा लिखित लोकोत्तर महापुरुष की महायात्रा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर चंद्रगिरी टृस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद बड़जात्या, अध्यक्ष किशोर जैन महामंत्री चंद्रकांत जैन ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुये उनको पगड़ी पहनाई इसके साथ ही विधायक एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों का भी अंगवस्त्र एवं तिलक से सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ डोंगरगढ़ के श्री चंद्रप्रभु भगवान एवं आचार्य श्री के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।

प्रात:कालीन बेला में छह दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ चंद्रगिरी में संत शिरोमणि आचार्य गुरूदेव श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के प्रथम समाधि महोत्सव पर उनके समाधि स्थल पर दिनांक 1 फरवरी से 6 फरवरी तक महामहोत्सव के रुप में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारंभ हुआ कार्यक्रम के प्रथम दिवस ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं अरुण साव द्वारा पचरंगा ध्वज के साथ किया गया इस अवसर पर जैन रेजिमेंट छत्तीसगढ़ एवं ललितपुर के साथियों द्वारा परेड तथा सलामी दी गई एवं ध्वज वंदन करते हुये आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज को याद करते हुये स्वर लहरियों के साथ जय जय गुरु विद्यासागर तेरा हम गुणगान करें का गायन किया गया इसके साथ ही प्रतिभास्थली की बेटियों द्वारा सामुहिक सुंदर नृत्य की प्रस्तुती मंगलाचरण के रुप में प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि ध्वजा की दिशा ईसान कौण में जाने से यह सिद्ध हो गया कि कुवेर की कृपा बनी रहेगी तथा आगामी समय में यह संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य ही नही वल्कि पूरा देश धन-धान से भरपूर होगा। तथा इस आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहेगी। मुनि श्री ने कहा कि यह शुभारंभ देश दुनिया के लिये शुभ प्रभात बनकर आया है, आज के इस अवसर पर छत्तीसगढ़ और ललितपुर के जैन जवानों ने अहिंसक आर्मी के रुप में जो प्रस्तुति दी वह ऐतिहासिक और अदभुत है, इनकी इस प्रस्तुति के लिये ऐलक धैर्य सागर महाराज ने जो संयोजना की तथा मुनि आगम सागर और मुनि पुनीत सागर सहित ऐलक निश्चयसागर एवं ऐलक निजानंद सागर तथा समस्त आर्यिकासंघ ने जो मार्गदर्शन दिया और अनुमोदना की वह आज अपने देश की आर्मी के सामने एक अहिंसक और धर्म भावना की आर्मी बनकर धर्म की प्रभावना कर रही है। मुनि श्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु सहाय एवं दोनों उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं अरूण साहु को आशीर्वाद देते हुये कहा कि हमारे गुरुवर आचार्य विद्यासागर जी महाराज तपस्वी थे और उन्होंने अपने जीवन की अंतिम साधना सल्लेखना के साथ छत्तीसगढ़ के इकलौते दि. जैन तीर्थ चंद्रगिरी में संपन्न की है और यह छत्तीसगढ़ क्षेत्र की डोंगरगढ़ की पहाड़ियाँ संपूर्ण देश में आस्था का केंद्र बनी हुई है, लाखों श्रद्धालु आकर यंहा पर धर्म लाभ ले रहे है मुनि श्री ने कहा कि गुरुवर आचार्य विद्यासागरजी महाराज की समाधि का एक वर्ष पूर्ण होंने पर हमारे संघ के नायक आचार्य समयसागर जी महाराज का भरपूर आशीर्वाद है, तथा उनके मार्गदर्शन में यह छै:दिवसीय महोत्सव संपन्न होंने जा रहा है।मुनि श्री ने कहा कि यंहा पर गुरुदेव के आशीर्वाद से बहूतबड़ी प्रतिभास्थली संचालित हो रही है, जिसमें बालब्रहम्चारी बहनें अपना पूरा समय दे रही है, इसके साथ ही हथकर्घा और गौ शाला आदि के प्रकल्प यंहा पर चल रहे है।उन्होंने सभी प्रतिष्ठाचार्य पांचों ब्रहम्चारी भाईओं को आशीर्वाद देते हुये कहा कि उनके अथक परिश्रम करके ध्वजारोहण का कार्य शुभ मुहुर्त में संपन्न कराया है, उन्होंने कहा कि जैसे तिरंगा झंडा का सम्मान भारत में राष्ट्र का सम्मान माना जाता है ऐसे ही जैन परंपरा में पांच रंगों का प्रतीक यह धर्म ध्वजा पंच परमेष्ठी का प्रतीक एवं जिन शासन का सम्मान माना जाता है, देश संपन्न रहै एक रहे देश अखंड रहे प्रगति कख चक्र निरंतर आगे बड़ता रहे कदम कदम बड़ाऐ जा, खुशी के गीत गाये जा जिंदगी गुरुदेव की गुरुदेव पर मिटाऐ जा...

दोपहर में आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज की भक्तीभाव के साथ पूजन की गई तथा वर्तमान आचार्य श्री समयसागर महाराज को अर्घ समर्पित करते हुये अर्घ चड़ाये गये।

दिगंबर जैन समाज के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि दोपहर में मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साव जी ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि स्थली के दर्शन किये एवं उपस्थित मुनि संघ एवं आर्यिका संघ के दर्शन कर श्रीफल चढ़ाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने उदबोधन में कहा की यह डोंगरगढ़ चंद्रगिरी तीर्थ क्षेत्र और आचार्य श्री का समाधि स्थल हमारे लिए वरदान के समान है। जहाँ ऐसे संत रहे हो वहां का कण-कण पावन है। और यह हमारे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। उन्होंने यहाँ संचालित प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, हाथकरघा को देखा और वहां उपस्थित जनों से बातचीत कर सम्पूर्ण जानकारी ली की यहाँ किस प्रकार से उनको स्वावलंबन की ओर अग्रसर किया जा रहा है। और बच्चों से भी पढाई की उपयोगीता के विषयह में काफी चर्चा की। प्रतिभास्थली में पौधारोपण किया।

इस अवसर पर मुनि श्री आगम सागर, मुनि श्री पुनीत सागर ऐलक श्री धैर्य सागर ऐलक श्री निश्चयसागर ऐलक श्री निजानंद सागर, सहित आर्यिकारत्न गुरुमति माताजी, दृणमति माता जी, आदर्शमतिमाताजी, चिंतन मतिमाताजी सभी माताजी संघ सहित तथा संघस्थ ब्रहम्चारी एवं बहनें उपस्थित थे, चंद्रगिरी तीर्थ के अध्यक्ष सेठ सिंघई किशोर जैन, निर्मल जैन, सुभाष चन्द जैन, चंद्रकांत जैन, सप्रेम जैन, डोंगरगढ़ जैन समाज के अध्यक्ष श्री अनिल जैन, कोषाध्यक्ष श्री जय कुमार जैन, सचिव श्री यतीश जैन, सुरेश जैन, निशांत जैन, विद्यातन पदाधिकारी श्री निखिल जैन, दीपेश जैन, अमित जैन, सोपान जैन, जुग्गू जैन, यश जैन, प्रतिभास्थली के अध्यक्ष श्री पप्पू भैया सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। विद्यातन के अध्यक्ष श्री विनोद बडजात्या ने बताया कि आज प्रात: देव आज्ञा, गुरु आज्ञा ली गयी तत्पश्चत भगवान का अभिषेक, पूजन, आरती कि गयी। महिलाओं द्वारा सर पर कलश लेकर घट यात्रा निकाली गयी और कलश के जल से पांडाल एवं पूजन स्थल (मंडप) को शुद्ध किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात जैन आर्मी छत्तीसगढ़ एवं जैन आर्मी ललितपुर द्वारा परेड, देव-शास्त्र-गुरु वंदन, आलीशान बहुमान (गेस्ट ऑफ आनर), ध्वज वंदन, संगीत वंदन, तोप सलामी, शाश्वत गान, ध्वज गीत, नृत्य आदि कार्यक्रम हुए। दोपहर में इंद्र-इन्द्राणी प्रतिष्ठा, मंडल एवं समवशरण प्रतिष्ठा संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी कि महापूजा एवं महाआरती हुई7 उक्त कार्यक्रम में जैन समाज के एवं अन्य समाज के लोग सम्पूर्ण छत्तीसढ़ एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों से अपने गुरुवर के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। उक्त जानकारी **निशांत जैन (निशु)** द्वारा दी गयी है।

आज दिनांक 1/2/2025 को चन्द्रगिरि प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में आने का सौभाग्य मिला। यहाँ पर अध्ययनरत बेटियों एवं शिक्षिकाओं से मुलाकात हुई। बेटियों ने अच्छी प्रस्तुति भी दी। यहाँ पर शिक्षा के साथ रोजगार की शिक्षा भी दी जा रही है। पुज्य संत विद्यासागर जी महाराज के आदर्शों का पालन करते हुए विद्यापीठ बहुत अच्छा संचालित हो रहा है। मैं विद्यापीठ की उत्तरोत्तर विकास एवं बेटियों की उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।
शुभकामनाओं सहित,
विष्णुदेव
1/2/25
मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

मुख्यमंत्री ने दिखाई प्रतिभास्थली में विशेष अभिरुचि

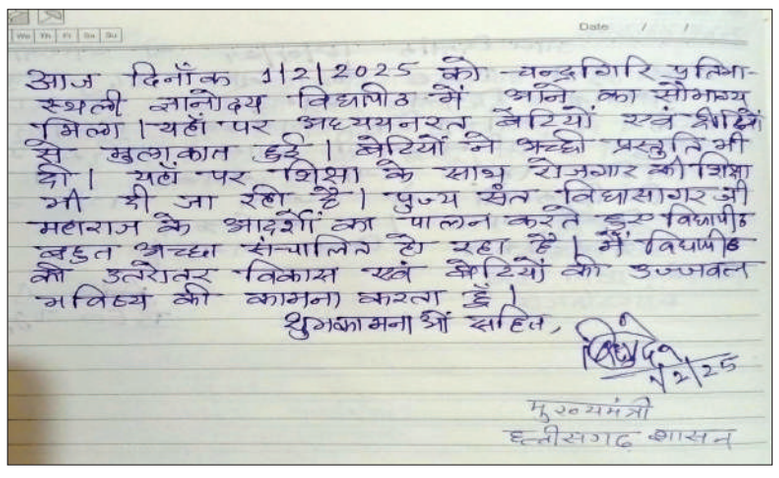

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज डोंगरगढ़ स्थित चंद्र गिरी तीर्थ में प्रतिभास्थली के अवलोकन हेतु पधारे। वहां पर उन्होंने वृक्षारोपण किया एवं प्रतिभास्थली की छात्राओं द्वारा किए जा रहे विभिन्न रचनात्मक कार्यों से बेहद प्रभावित हुए। प्रतिभाशाली की प्राचार्य एवं अन्य दीदी गणों द्वारा उनका भाव बिना स्वागत किया गया। प्रतिभाशाली की बच्चियों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चियों की शिक्षा के अतिरिक्त अन्य रचनात्मक कार्यों में रुचि ली एवं चलाई जाने शिक्षा पद्धति की सराहना की।

इस अवसर पर कविता दीदी गुंजन दीदी अर्चना दीदी निशा दीदी रोहितिता दीदी मुनिया दीदी मीना दीदी ज्योति दीदी आदि प्रतिभास्थली में उपस्थित थी। प्रतिभास्थली की सभी बहनों एवं स्टाफ के साथ-साथ बच्चों में भी भारी उत्साह देखा गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रतिभाशाली की कमेंट बुक पर अपने मनोभाव बड़े भाव विभोर होते हुए अंकित किए एवं सभी का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 06 फरवरी 2025

लखमा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, फिलहाल जेल में ही रहेंगे

रायपुर (विसं)। कांग्रेस शासन काल में हुए 2100 करोड़ के शराब घोटाला मामले में करीब महीने भर से रायपुर जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को अभी जेल में ही रहना होगा। ईडी की विशेष कोर्ट ने कवासी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। कवासी ने, ईओडब्लू की संभावित गिरफ्तारी से बचने यह याचिका लगाई थी। इस पर सुनवाई मंगलवार को होनी थी। लेकिन कवासी को पेश करने बल उपलब्ध न होने की जेल प्रशासन की सूचना पर सुनवाई आज के लिए आगे बढाई गई। आज भोजनावकाश से पहले ही हुई सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी।

विधायक राजेश मूणत, महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे के साथ महेंद्र औसर की तूफानी रैली

रायपुर (विश्व परिवार)। में महिलाओं की अपार भीड़ के साथ भाजपा के विजय रथ पर सवार महापौर प्रत्याशी श्रीमती मीनल चौबे वार्ड प्रत्याशी महेंद्र औसर के साथ पश्चिम विधायक राजेश मूणत के साथ हज़ारों की तादात में जन समर्थक पैदल जनसंपर्क कर जनता से आशीर्वाद की मांग की।

माधवराव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 रायपुरा में भाजपा के युवा प्रत्याशी महेंद्र औसर के पक्ष में पश्चिम विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे के साथ विशाल रैली कर मतदाताओं से जनसंपर्क कर समर्थन एवं आशीर्वाद मांगा रैली

भाजपा प्रत्याशी संतोष साहू के लिए सांसद बृजहमोहन ने माँगा जनसमर्थन, हज़ारो की संख्या में जुटे वार्डवासी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नगरी निकाय चुनाव को लेकर मैदान में प्रत्याशी उतार चुके हैं। ज्ञात होगी दोनों ही प्रमुख पार्टियों ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। जिसमे भाजपा प्रत्याशी मदर टेरिसी वार्ड क्रमांक 48 से संतोष साहू को अपना उम्मीदवार बनाया है। संतोष साहू लगातार जनता से रूबरू हो रहे हैं। भाजपा प्रत्याशियों के लिए बीजेपी के दिग्गज नेता मैदान में उतर चुके है। विशाल रोड शो कर जनता से समर्थन मांग रहे है। मीडिया से चर्चा करते वक़्त उन्होंने कहा की जनता और विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता है। ज्ञात हो की सांसद बृजहमोहम अग्रवाल ने रैली में शामिल होकर संतोष साहू के लिए जन्मार्थ माँगा। हजारों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं और आम जनता के उत्साह के बीच वार्डवासियों के साथ ब्रह्मण किया। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास, सुशासन और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्ध है। रायपुर की जनता ने प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने के बाद अब नगर निगम में भी भाजपा को भारी समर्थन देने का मन बना लिया है। हर मतदाता का एक-एक वोट रायपुर के सुनहरे भविष्य की नींव रखेगा।

वार्डवासियों से जनसमर्थन मांगने प्रत्याशी जितेंद्र अग्रवाल का रूबरू कार्यक्रम जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों में नगरी निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव कराए जा रहे हैं। जिसमे प्रमुख पार्टियों ने कमर कस ली है। राजनैतिक पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया है। बता दे की महंत लक्ष्मी नारायण वार्ड से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी जितेंद्र अग्रवाल को जनता का भरपूर आशीर्वाद और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा की पार्षद का पहला कार्यकाल में उन्होंने वार्ड में अभूतपूर्व विकास कराए है। यदि जनता का आशीर्वाद उन्हें पुन: मिलता है तो जनता को एक नया स्वरूप विकास का देखेगी। आगे चर्चा करते हुए कहा की प्रत्येक व्यक्ति को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त करेंगे। विगत सोमवार को उनके द्वारा वार्ड में कार्यालय का भी उद्घघाटन वार्डवासियों के साथ किया गया। साथ ही सघन जनसंपर्क कर जनता से समर्थन मांगा। इस जनसंपर्क अभियान में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी उत्साह देखने को मिली रहा है। रैली में वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। जनता ने भी निर्दलीय प्रत्याशी जितेंद्र अग्रवाल का जोरदार स्वागत किया और समर्थन देने का आश्वासन दिया। नगरी नगर में जनसंपर्क रैली के जगह-जगह जितेंद्र अग्रवाल का फुल मालाओं,तिलक वंदन कर स्वागत किया है।

बाल्मीकि आवास, हर्षित नगर वार्ड-2 से भगत राम हरवंश को अपार जनसमर्थन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम के पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 02 से अनुसूचित जाति आरक्षित सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भगत राम हरवंश ने बाल्मीकि आवास, हर्षित नगर में जनसंपर्क कर जनसमर्थन एवं आशीर्वाद मांगा सब्जी वाले के नाम से जाने जाने वाले भगत राम हरवंश पूरे वार्ड के चहेते प्रत्याशी हैं जहां जहां ये समर्थन मांगने जाते हैं वहां मतदाता उन्हें हाथों हांथ लेकर पूर्ण समर्थन के साथ सहयोग का वादा कर रहे हैं समर्थकों की भीड़ उनके साथ निस्वार्थ भाव से डोर टू डोर जन संपर्क कर अधिक से अधिक मतदान करने की अपील कर रही है।

वार्ड क्रमांक 69 से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे उत्तम चक्रधारी का तूफानी दौरा जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में प्रत्याशियों ने नगरी निकाय चुनाव को जीतने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। नगरी निकाय चुनाव को लेकर जहा प्रमुख पार्टियों ने अपनी ताकत झोक दी है, वही मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी जनसम्पर्क शुरू कर दिया है। ज्ञात हो की निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे उत्तम कुमार चक्रधारी लगातार जनसम्पर्क कर रहे है। वार्ड क्रमांक 69 से यह चुनावी मैदान में है। इनका चुनावी चिन्ह टोर्च है।

मीडिया से चर्चा करते वक्त उन्होंने पूर्व पार्षद पर भी तंज कस्ते हुए कहा की निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे वयक्ति को बैसाकि की ज़रूरत इसलिए पड़ी क्युकी उन्होंने वार्डवासियों के लिए कोई काम नहीं किया। साथ ही उन्होंने चर्चा करते वक़्त कहा की वह एक टोल फ्री नंबर जारी करेंगे अपनी वार्ड की जनता के लिए ताकी कोई भी समस्या हो तो उसका त्वरित निराकरण हो सके। नसम्पर्क के दौरान वह जनता से मिल विकास की गति को तीव्र करने की बात कर रहे है। मतदान के दिन उन्होंने जनता से बाद चढ़कर वोट देने की बात कही है।

ज्ञानचंद चौधरी के लिए उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने जनता से मांगा अपना समर्थन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर उत्तर विधानसभा मे प्रत्याशियों को जानता का भरपूर आशीर्वाद मिला रहा है जिसका दृश्य विधायक के रोड शो और डोर टू डोर जनसंपर्क मे दिख रहा है। जनता रायपुर में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार चाह रही है। विधायक पुरन्दर मिश्रा जब से उत्तर विधानसभा के विधायक बने है तब से लगातार वार्ड भ्रमण कर जनता से रुबरु होते आ रहे है और उनकी समस्याओ का त्वरित निवारण करने का प्रयास करते रहे हैं जिसका प्रतिफल है कि उत्तर विधानसभा में जितने भी भाजपा अधिकृत प्रत्याशी हैं। आज उसका लाभ मिल रहा है और जनता उन्हें भरपूर आशीर्वाद दे रही है। विधायक मिश्रा ने आज शहीद हेमू कालाणी वार्ड के कपड़ा मार्केट में भाजपा प्रत्याशी कृतिका जैन के पक्ष में सघन जनसंपर्क किया जिसमें वहां के व्यापारिक वर्ग ने उनका जोरदार स्वागत कर ट्रिपल इंजन की सरकार का स्वागत किया।

इस क्रम में रविशंकर शुक्ल वार्ड मे राजातालाब के पास चुनाव कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जिसमें वहां के भाजपा अधिकृत प्रत्याशी ज्ञानचंद चौधरी और कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। स्वागत के पश्चात जनता को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि भाजपा की सरकार हमने बनाया, हम ही सावरेंगे के उद्देश्य से कार्य कर रही है। केंद्र मे मोदी की सरकार और राज्य मे विष्णु देव की सरकार महिलाओ, बच्चो, युवाओं गरीब मजदूरों के लिए कार्य कर रही है।

सुरक्षा के साथ खदान संचालन में पॉवर कंपनी अव्वल

गारे पेलमा के पांच ईनाम श्रेष्ठ कार्यों के प्रतीक : सुबोध सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को गारे पेलमा खदान के संचालन में सुरक्षा संबंधी मापदण्डों के पालन हेतु वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा पांच महत्वपूर्ण पुरस्कारों से नवाजा गया है। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने उत्पादन कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह हमारी टीम की प्रतिबद्धता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर खदानों के रखरखाव और कार्य-निष्पादन का आकलन किया जाता है। वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विश्रामपुर में किया गया, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में गारे पेलमा सेक्टर तीन, कोयला खदान को विविध पुरस्कार प्राप्त हुए। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) में प्रथम, इंजीनियरिंग एक्सेवेशन में प्रथम, सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान में प्रथम, डस्ट सप्रेशन में द्वितीय, इल्यूमिनेशन (मांइस में लाइट की व्यवस्था) में द्वितीय, एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) में द्वितीय, गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान द्वारा प्रदर्शित एक्सीबिशन एवं स्टॉल हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) की श्रेणी में गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान को विगत चार वर्षों से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो रहा है, जो कि सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस. के. कटियार, कार्यपालक निदेशक श्री एम. आर. बागड़े द्वारा ये पुरस्कार पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह को सौंपे गये। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी परिवार के लिए गौरव का विषय है। हमारी टीम की मेहनत, प्रतिबद्धता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता ने हमें इस सम्मान तक पहुंचाया है। सुरक्षा हमारे संचालन की प्राथमिकता है और हम हमेशा अपने खनिकों के सुरक्षित कार्य वातावरण को सुनिश्चित करने के लिये प्रयासरत रहेंगे। श्री सिंह ने पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये बधाई दी और भविष्य में इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ने की आशा व्यक्त की है। वहीं श्री कटियार ने कहा है कि सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता उच्च कोटि की है। इसे बनाये रखने के लिए उत्पादन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयास जारी रहेंगे।

दपूम रेलवे से एक फेरे के लिए रायपुर-टुंडला-रायपुर महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर (विश्व परिवार)। महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड़ के दौरान रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली एक फेरे के लिए दिनाँक 09 फरवरी, 2025 को रायपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 08753 रायपुर-टूण्डला कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी दिनाँक 10 फरवरी, 2025 को टूण्डला से चलने वाली गाड़ी 08754 टूण्डला-रायपुर कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन का रायपुर, दुर्ग, राजनांदगाँव, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना जंक्शन, माणिकपुर जंक्शन, प्रयागराज, फ़तेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा रेलवे स्टेशनों में ठहराव की सुविधा दी जा रही है। यह कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन 02 एसी टू, 09 थ्री, एसी थ्री, 02 स्लीपर, 01 एसएलआरडी, 02 सामान्य सहित 16 कोच के साथ चलेगी।

इस गाड़ी की समय सारणी इस प्रकार है- 08753 रायपुर-टूण्डला कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन रायपुर से 07:15 बजे रवाना होकर दुर्ग 08:10/ 08:12, राजनांदगांव 08:33 / 08:35, डोंगरगढ़ 08:57/ 08:59, गोंदिया 10:56 / 11:06, बालाघाट 12:01/ 12:03, नैनपुर 13:46/ 13:56, जबलपुर 18:15/ 18:25, कटनी 19:40/ 19:50, सतना 20:33/ 20:35, मानिकपुर 22:00/ 22:05, प्रयागराज 00:03/ 00:05, फतेहपुर 02:05/ 02:10, कानपुर 03:28/ 03:30, इटावा 05:15/ 05:20, फिरोजाबाद 06:38/ 06:40, एवं टुंडला 09:30 बजे पहुँचेगी।

इस प्रकार विपरीत दिशा में समय सारणी इस प्रकार है- 08754 टूण्डला-रायपुर कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन टुंडला से 11:30 बजे रवाना होकर फिरोजाबाद 12:33/ 12:35, इटावा15:00/ 15:05, कानपुर 16:28/ 16:30, फतेहपुर 18:50/ 18:55, प्रयागराज 20:20 / 20:22, मानिकपुर 22:43/22:45, सतना 23:50/ 23:55, कटनी 02:00 /02:10, बालाघाट 08:01/ 08:03, गोंदिया 10:50/11:10, डोंगरगढ़ 12:10/ 12:12, राजनांदगांव 12:34/ 12:36, दुर्ग 14:25/ 14:27, एवं रायपुर 15:30 बजे पहुँचेगी।

एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर ने विश्व कैंसर दिवस में कैंसर सर्वाइवर्स का सम्मान किया

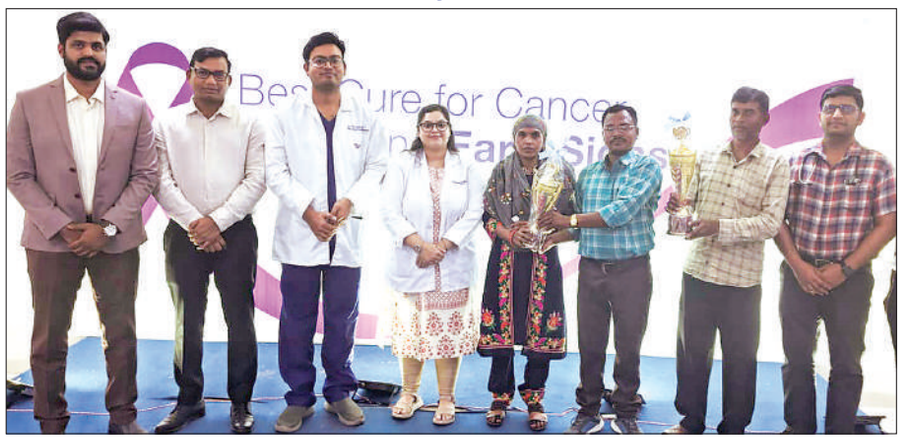

रायपुर (विश्व परिवार)। एमएमआई नारायणा हेल्थ रायपुर ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश की जनता के जागरूकता के लिए जांच एवं परामर्श शिविरों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की, जिसमें 500 से अधिक रोगियों को लाभ हुआ। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आयोजित शिविरों का उद्देश्य कैंसर के शुरुआती लक्षणों का पता लगाने और रोकथाम को जागरूकता बढ़ावा देना था। एमएमआई नारायणा हेल्थ रायपुर के कैंसर रोग विशेषज्ञों डॉ. भरत भूषण (सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट), डॉ. देवव्रत हिशिकर (मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट), डॉ. अखिलेश साहू (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट), डॉ. चैतन्य साहू (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) डॉ. आकांक्षा चिखलिकर (स्तन कैंसर सर्जन) एवं नर्सों की टीम ने कैंसर रोगियों के लिए निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता शिविर का आयोजन किया7 शिविर मे महिलाओं स्तन कैंसर की जाँच थर्मल मशीन द्वारा एवं गर्भाशय के मुख के कैंसर पैप स्मीयर द्वारा निशुल्क की गयी।

विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में, 4 फरवरी को, नारायण हेल्थ एमएमआई रायपुर ने कैंसर रोगियों के बहादुरी और संघर्ष को सलाम करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कैंसर से ग्रसित मरीजों के मनोबल को बढ़ाने के लिए उनका सम्मान किया, जो अब आम लोगों की तरह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं।इस कार्यक्रम में 50 से अधिक सर्वाइवर्स ने हिस्सा लिया और कैंसर के इलाज के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम की इस कड़ी में, एमएमआई नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने पोस्टर्स के माध्यम से कैंसर की प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

एमएमआई नारायणा हेल्थ रायपुर के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ ने कहा कि एमएमआई नारायणा हेल्थ रायपुर कैंसर के बारे में जागरूकता करने और शुरुआती पता लगाने को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो प्रभावी उपचार के लिए महत्वपूर्ण है। हमें विभिन्न जिलों में 500 से अधिक रोगियों तक पहुंचने में सक्षम होने पर खुशी है और हम कैंसर के खिलाफ अपने प्रयासों को जारी रखेंगे।

एमएमआई नारायणा हेल्थ रायपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर श्री अजीत कुमार बेल्लमकोंडा ने अपनी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कैंसर शिविर का आयोजन नारायण हेल्थ एमएमआई करते आ रहा है और आगे भी करता रहेगा।

गभरा पारा, वीरभद्र नगर अबकी बारी मनोज चक्रधारी के नारों से गूंजा

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के डॉक्टर बिपिन बिहारी सूर वार्ड क्रमांक 64 के निर्दलीय प्रत्याशी मनोज चक्रधारी जैसे ही वार्ड के गभरा पारा एवं वीरभद्र नगर जनसंपर्क के लिये पहुंचे पूरे वार्ड वासियों ने अबकी बारी मनोज चक्रधारी के नारों से गुंजायमान कर दिया वार्ड वासियों ने इस वार निर्दलीय प्रत्याशी को पार्षद बना कर नगर निगम भेजने का मूड बना रखा है।

कांग्रेस प्रत्याशी संजीव यादव का जनसम्पर्क अभियान जारी, रैली का जगह-जगह हो रहा उत्साहपूर्वक स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर 6 विश्व परिवार 8 = रायपुर नगर निगम चुनाव में जीत के लिए कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया है। ज्ञात हो की कांग्रेस ने वार्ड क्रमांक 64 से संजीव यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। ज्ञात हो की संजीव यादव कांग्रेस पार्टी के विचारधार को मानते है। मीडिया से चर्चा करते वक़्त उन्होंने कहा की जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों में नगरी निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा की पार्षद बनने के बाद वह वार्ड में अभूतपूर्व विकास करेंगे। ज्ञात हो उनका डोर टू डोर कार्यक्रम जारी है। साथ ही उन्होंने मौजूदा पार्षद पर भी अरूप लगते हुए कहा की उनके कार्यकाल में वार्डवासी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हो गए। साथ ही वार्ड में सरे विकास कार्य रुक गए जा। आगे बताते हुए कहा की सघन जनसंपर्क कर जनता से समर्थन मांगा रहे है। रैली में वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हो रहे है। स जनसंपर्क अभियान में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी उत्साह देखने को मिली रहा है। नगरी नगर में जनसंपर्क रैली के जगह-जगह संजीव यादव का फुल मालाओं,तिलक वंदन कर स्वागत किया है। जनता से अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा की इस बार जनता तबदीली चाह रही है और विकास की गति को तीव्र करने के लिए तैयार है।

सर्वप्रथम अत्याधुनिक
(अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट

10 इंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन, हेपा फिल्टर/लेमिनर फ्लो 100% जीवाणु रहित ग्लास केबिन.
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354